www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

दा SUMMER न्यूज़

सूर्योदय सुबह 6:02 बजे
सूर्यास्त शाम 6:46 बजे

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-215 • पृष्ठ-8 • मूल्य-5 रूपये • शनिवार 11 अप्रैल 2026 • चंडीगढ़ • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर • एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल

न्यूज़ ब्रीफ

कैश कांडः जस्टिस वर्मा का इस्तीफा

नई दिल्ली| इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा ने राष्ट्रपति को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। जस्टिस वर्मा इससे पहले दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर किए गए थे, जब उनके सरकारी आवास पर जला हुआ कैश मिलने पर विवाद खड़ा हुआ था। इस मामले में उनके खिलाफ इन-हाउस जांच चल रही है और संसदीय कार्रवाई के जरिए हटाने की प्रक्रिया की संभावना भी जताई गई थी। जस्टिस वर्मा ने 5 अप्रैल 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में शपथ ली थी।

गगनयानः दूसरा एयर ड्रॉप टेस्ट पूरा

नई दिल्ली| केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शुक्रवार को भारतीय अंतरिक्ष संगठन (ISRO) को महत्वाकांक्षी गगनयान मिशन के लिए दूसरा इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट (IADT-02) सफलतापूर्वक करने पर बधाई दी। यह अगले साल होने वाली भारत की पहली मानव अंतरिक्ष उड़ान की दिशा में अहम कदम है।पिछले टेस्ट में गगनयान मिशन के क्रू मॉड्यूल के लिए डिज़ाइन किए गए पैराशूट-आधारित डीसेलरेशन सिस्टम (गति कम करने वाले सिस्टम) के एंड-टू-एंड प्रदर्शन को प्रदर्शित किया गया था। गगनयान मिशन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का भारत का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है।

अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 से

नई दिल्ली| 1 जुलाई से 28 अगस्त के बीच होने वाली अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होंगे। केवल 13 से 70 साल की उम्र के तीर्थयात्री ही रजिस्ट्रेशन करवा सकेंगे। 6 हफ्ते से ज्यादा की गर्भवती महिलाएं भी पात्र नहीं होंगी। रजिस्ट्रेशन आधार आधारित बायोमेट्रिक ई-केवाईसी से होगा। 8 अप्रैल के बाद जारी वैलिड स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जमा कराना होगा। बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि इस वर्ष यात्रा परमिट आधार-आधारित बायोमीट्रिक ई-केवाईसी प्रमाणीकरण के बाद सिस्टम से एनआईसी पोर्टल (https://jk-sasb.nic.in) पर जारी किया जाएगा।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिर्पोटर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 7986630191 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

इज़राइल पर बयान से बवाल पाक मंत्री का पोस्ट डिलीट

■ US-ईरान वार्ता से पहले तनाव तेज
■ ख्वाजा आसिफ की टिप्पणी पर इज़राइल का कड़ा जवाब,
■ नेतन्याहू ने जताई आपत्ति; होर्मुज और सीजफायर पर भी

एजेंसी | तेल अवीव/इस्लामाबाद

युद्धविराम का स्वागत करते हुए एक कलाकार नेताओं के चित्र और संदेशों वाले पोस्टर बनाता हुआ।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच इज़राइल और पाकिस्तान के बीच बयानबाज़ी ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के एक तीखे बयान के बाद हालात और संवेदनशील हो गए, वहीं इज़राइल की सख्त प्रतिक्रिया के बाद उन्होंने अपना सोशल मीडिया पोस्ट हटा लिया।

दरअसल, ख्वाजा आसिफ ने इज़राइल पर गाजा, ईरान और लेबनान में नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई का आरोप लगाते हुए बेहद कड़ी भाषा का इस्तेमाल किया था। उनके इस बयान पर इज़राइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कार्यालय ने कड़ी आपत्ति जताई और इसे अस्वीकार्य बताया। इज़राइल ने कहा कि इस तरह के बयान खासकर उस देश की ओर से स्वीकार नहीं किए जा सकते, जो खुद को शांति वार्ता में मध्यस्थ के रूप में पेश कर रहा हो।

इस घटनाक्रम के बाद आसिफ ने अपना विवादित पोस्ट हटा लिया, लेकिन तब तक दोनों देशों के बीच कूटनीतिक तनाव बढ़ चुका था। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति वार्ता की तैयारी चल रही है। इधर, अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर को लेकर भी मतभेद कम नहीं हो रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले तेल टैंकरों से शुल्क वसूलने की कोशिश कर रहा है और इसे तुरंत रोकने की चेतावनी दी है। अमेरिका का कहना है कि यह वैश्विक व्यापार मार्ग बिना किसी रुकावट के खुला रहना चाहिए। ईरान और इज़राइल के बीच भी तनाव बना हुआ है। तेहरान ने इज़राइल पर लेबनान में हमले कर युद्धविराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जबकि इज़राइल का कहना है कि लेबनान इस सीजफायर का हिस्सा नहीं है। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया है कि हिज्बुल्लाह के खिलाफ सैन्य कार्रवाई जारी रहेगी और सुरक्षा सुनिश्चित होने तक अभियान नहीं रुकेगा। इन सबके बीच, इस्लामाबाद में प्रस्तावित अमेरिका-ईरान वार्ता पर भी असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। इस बैठक में ईरान के परमाणु कार्यक्रम, बैलिस्टिक मिसाइल, होर्मुज की स्थिति और प्रतिबंधों को हटाने जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होनी है। कुल मिलाकर, बयानबाज़ी, सैन्य तनाव और कूटनीतिक खींचतान के बीच शांति प्रयासों पर अनिश्चितता के बादल मंडराते नजर आ रहे हैं।

शहीद पत्रकारों की स्मृति में JPL का भव्य आगाज

■ पंजाब और जम्मू-कश्मीर के बीच पहले मुकाबले से टूर्नामेंट की शुरुआत, खेल के जरिए पत्रकारों को मिला साझा मंच

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

शहीद पत्रकारों की स्मृति को समर्पित 'जर्नलिस्ट प्रीमियर लीग' (JPL) का शुक्रवार को भव्य आगाज हो गया। जर्नलिस्ट वेलफेयर ट्रस्ट द्वारा आयोजित इस क्रिकेट टूर्नामेंट की शुरुआत सेक्टर-16 स्थित चंडीगढ़ क्रिकेट स्टेडियम में हुई, जहां पहले मुकाबले में पंजाब और जम्मू-कश्मीर की टीमें आमने-सामने उतरीं। मैच का आयोजन शाम 5 बजे से शुरू हुआ, जिसमें खिलाड़ियों और दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

इस टूर्नामेंट का आयोजन यूनाइटेड प्रेस क्लब और जर्नलिस्ट वेलफेयर ट्रस्ट के संयुक्त सहयोग से किया जा रहा है। देशभर से आई विभिन्न राज्यों की टीमें इस लीग में हिस्सा ले रही हैं, जो आगामी दिनों में आपस में मुकाबला कर खिताब के लिए जोर आजमाइश करेंगी।

उद्घाटन अवसर पर शहीद पत्रकारों को श्रद्धांजलि देकर भारत माता की जय के जयकारों के बीच टूर्नामेंट की शुरुआत हुई। खिलाड़ियों ने खेल भावना के साथ मैदान में उतरकर शानदार प्रदर्शन का संकल्प लिया। आयोजन स्थल पर पत्रकारों और खेल प्रेमियों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली, जिससे माहौल पूरी तरह उत्साह और ऊर्जा से भर गया।

आगे भी जारी रहेंगे रोमांचक मुकाबले

टूर्नामेंट के तहत 11 अप्रैल को चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश के बीच मुकाबला इसी मैदान पर खेला जाएगा, जबकि 12 अप्रैल को हिमाचल प्रदेश और दिल्ली की टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद 18 अप्रैल को पंचकूला में हरियाणा और राजस्थान के बीच मुकाबला आयोजित किया जाएगा।

नॉकआउट चरण के मुकाबले पंचकूला के ताऊ देवी लाल स्टेडियम में खेले जाएंगे, जहां पहला सेमीफाइनल 25 अप्रैल और दूसरा सेमीफाइनल 26 अप्रैल को शाम 5 बजे शुरू होगा। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 3 मई को पंचकूला में खेला जाएगा, जिसमें विजेता टीम खिताब अपने नाम करेगी। आयोजकों के मुताबिक इस लीग का उद्देश्य खेल के माध्यम से पत्रकारों को एक साझा मंच प्रदान करना और शहीद पत्रकारों को श्रद्धांजलि देना है। यह आयोजन पत्रकारिता जगत में एकता, भाईचारे और खेल भावना को बढ़ावा देगा।

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में कई प्रतिष्ठित संस्थानों का सहयोग मिल रहा है। टूर्नामेंट के टाइटल स्पॉन्सर Avon Cycles हैं, जबकि इसे सह-स्पॉन्सर DUKE और EasyVisa भी हैं।

एसोसिएट पार्टनर्स के रूप में Amy Soul, Ansal Wealth, Vaid-ban, CGC University Mohali, CREDAI Punjab, Dr. YOGI's, IOL, DASMESH Malerkotla, Punjab, India जैसे संस्थान इस लीग का हिस्सा हैं, जो इसे सफल बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

हरिवंश फिर पहुंचे राज्यसभा, राष्ट्रपति ने मनोनीत किया

■ कार्यकाल खत्म होने के बाद भी कायम रहा विश्वास, 2032 तक निभाएंगे नई भूमिका

एजेंसी | नई दिल्ली

राजनीति में कई बार व्यक्तित्व नहीं, बल्कि उनकी भूमिका बदलती है और हरिवंश नारायण सिंह इसका ताजा उदाहरण हैं। राज्यसभा में उनका दूसरा कार्यकाल समाप्त होने के साथ ही यह चर्चा शुरू हो गई थी कि क्या अब वे सदन से विदा लेंगे। हालांकि, इन सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उन्हें एक बार फिर राज्यसभा के लिए मनोनीत कर दिया है। इस फैसले के साथ ही उनकी संसदीय यात्रा को नई दिशा मिल गई है।

दरअसल, पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के रिटायर होने के बाद राज्यसभा में एक मनोनीत सीट खाली हुई थी। इसी सीट पर राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 80(1)(a) के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरिवंश नारायण सिंह को नामित किया है। केंद्र सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, उनका नया कार्यकाल अब 2032 तक रहेगा। यह निर्णय उनके लंबे अनुभव और विभिन्न क्षेत्रों में योगदान को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

गौरतलब है कि हरिवंश हाल ही में जेडीयू के प्रतिनिधि के तौर पर अपना दूसरा कार्यकाल पूरा कर चुके थे। इस बार पार्टी ने उन्हें दोबारा राज्यसभा के लिए नामित नहीं किया था, जिससे उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे थे। लेकिन राष्ट्रपति के इस कदम ने साफ कर दिया कि उनकी भूमिका अभी खत्म नहीं हुई है, बल्कि नए स्वरूप में जारी रहेगी।

69 वर्षीय हरिवंश नारायण सिंह का संसदीय अनुभव काफी समृद्ध रहा है। वे साल 2018 से राज्यसभा के उपसभापति के रूप में कार्य कर रहे हैं और सदन के संचालन में उनकी संतुलित और शांत शैली की अक्सर सराहना होती रही है।

राजनीति में आने से पहले हरिवंश का करियर पत्रकारिता और सामाजिक क्षेत्र में रहा है। उन्होंने लंबे समय तक पत्रकारिता के माध्यम से समाज के विभिन्न मुद्दों को उठाया और अपनी अलग पहचान बनाई। यही कारण है कि राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किए जाने वाले सदस्यों की श्रेणी में उनका नाम उपयुक्त माना गया। यह श्रेणी उन लोगों के लिए होती है, जिन्होंने कला, साहित्य, विज्ञान, समाज सेवा या पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया हो।

यौन अपराधी एपस्टीन से मेरा कोई रिश्ता नहीं: मेलानिया

■ फर्स्ट लेडी ने सभी दावों से किया इनकार, पीड़ितों के लिए कांग्रेस से सार्वजनिक सुनवाई की मांग

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिका की फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप ने दिवंगत यौन अपराधी एपस्टीन से जुड़े सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें "झूठा" और "बेबुनियाद" करार दिया है। व्हाइट हाउस से जारी एक दुर्लभ वीडियो संदेश में उन्होंने स्पष्ट कहा कि उनका एपस्टीन के साथ किसी भी प्रकार का निजी या सामाजिक संबंध नहीं रहा।

मेलानिया ट्रंप ने कहा कि सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर लगाए जा रहे आरोप न केवल असत्य हैं, बल्कि बेहद शर्मनाक भी हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि उन्होंने और उनकी कानूनी टीम ने ऐसे झूठे दावों का पहले भी मजबूती से सामना किया है।

उन्होंने साफ किया कि वह कभी भी एपस्टीन की दोस्त नहीं रहीं और न ही उनका उनसे कोई करीबी जुड़ाव था। उन्होंने यह भी बताया कि वह अपने पति डोनाल्ड ट्रंप से एपस्टीन से मिलने से काफी पहले मिल चुकी थीं। साथ ही उन्होंने इस दावे को भी खारिज किया कि एपस्टीन ने ही उनकी मुलाकात डोनाल्ड ट्रंप से करवाई थी। मेलानिया ने यह स्वीकार किया कि सामाजिक दायरों के चलते उन्हें कभी-कभी उन आयोजनों में आमंत्रित किया जाता था, जहां एपस्टीन भी मौजूद होता था, लेकिन इसका मतलब किसी तरह का व्यक्तिगत संबंध नहीं है। एपस्टीन या उसके सहयोगियों के साथ उनका कोई संबंध नहीं रहा। फर्स्ट लेडी ने यह भी स्पष्ट किया कि अदालत के दस्तावेजों, गवाहियों या FBI की किसी भी फाइल में उनका नाम एपस्टीन से जुड़ा नहीं पाया गया है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि वे इस मामले की पीड़ित नहीं हैं।

इसके साथ ही मेलानिया ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस से अपील की कि एपस्टीन मामले से जुड़े पीड़ितों के लिए एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की जाए। उनका कहना था कि पीड़ितों को शपथ लेकर अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और इसे आधिकारिक रिकॉर्ड में दर्ज किया जा सके। गौरतलब है कि एपस्टीन मामला पिछले कुछ समय से अमेरिकी राजनीति में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। लेकिन मेलानिया ट्रंप के इस बयान ने एक बार फिर इसे सुर्खियों में ला दिया है।

पासपोर्ट विवाद में पवन खेड़ा को राहत

तेलंगाना| असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुयान शर्मा से जुड़े पासपोर्ट विवाद मामले में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को बड़ी राहत मिली है। तेलंगाना हाई कोर्ट ने उन्हें एक सप्ताह की अंतरिम अग्रिम जमानत प्रदान की है, जिससे उन्हें कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के लिए समय मिल गया है। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति के. सुजाना की पीठ ने यह आदेश सुनाया। अदालत ने खेड़ा को निर्देश दिया कि वह संबंधित न्यायालय में नियमित राहत के लिए आवेदन दाखिल करें। यह फैसला उनकी याचिका पर सुनवाई के बाद आया, जिसमें उन्होंने गिरफ्तारी से सुरक्षा की मांग की थी। दरअसल, असम पुलिस ने यह मामला तब दर्ज किया था जब पवन खेड़ा ने रिनिकी भुयान शर्मा पर कई पासपोर्ट रखने और विदेशों में अघोषित संपत्ति होने के आरोप लगाए थे। इन आरोपों को लेकर विवाद बढ़ा और इसी के आधार पर केस दर्ज किया गया। असम पुलिस ने दिल्ली स्थित उनके आवास पर तलाशी भी ली थी, जिसके बाद खेड़ा ने अदालत का रुख किया।

शाह ने बंगाल चुनाव में BJP का संकल्प पत्र जारी किया

■ महिलाओं, युवाओं और किसानों पर खास फोकस; TMC पर भी साधा निशाना

एजेंसी | कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले अमित शाह ने कोलकाता में भारतीय जनता पार्टी (BJP) का 'संकल्प पत्र' जारी किया। इस दौरान उन्होंने इसे "विकसित और सुरक्षित बंगाल" का रोडमैप बताते हुए कहा कि राज्य की जनता अब बदलाव चाहती है।

घोषणापत्र लॉन्च करते हुए अमित शाह ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल लंबे समय से भय और असुरक्षा के माहौल से गुजर रहा है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा का संकल्प पत्र राज्य को इस स्थिति से बाहर निकालने और विकास की नई दिशा देने का संकल्प है।

पार्टी के इस घोषणापत्र में महिलाओं, किसानों और युवाओं को केंद्र में रखा गया है। महिलाओं के लिए हर महीने आर्थिक सहायता, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में विशेष पैकेज, और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने जैसे वादे इसमें शामिल हैं। इसके अलावा औद्योगिक विकास को गति देने, नए उद्योग स्थापित करने और कृषि व मत्स्य पालन से जुड़े क्षेत्रों को बढ़ावा देने की भी योजना पेश की गई है।

भाजपा का कहना है कि यह केवल एक चुनावी दस्तावेज नहीं, बल्कि "भरोसे का पत्र" है, जिसमें राज्य के समग्र विकास की रूपरेखा तैयार की गई है। पार्टी ने इसे लोगों की भागीदारी से तैयार किया गया दस्तावेज बताया है, जिसके लिए राज्यभर से लाखों सुझाव जुटाए गए।

वहीं, चुनावी माहौल के बीच AIMIM और AJUP के बीच गठबंधन टूटने की खबर ने राजनीतिक समीकरणों को और दिलचस्प बना दिया है।

पेज 1 एंकर स्टोरी

राज्यसभा सदस्य के तौर पर ली शपथ

अब दिल्ली में नीतीश कुमार की नई पारी

■ मुख्यमंत्री पद छोड़ने का रास्ता साफ, 14 अप्रैल को नए CM के चयन की संभावना

एजेंसी | नई दिल्ली

बिहार की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। जेडीयू प्रमुख नीतीश कुमारr ने शुक्रवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेकर अपनी नई संसदीय पारी की शुरुआत कर दी। इस कदम के साथ ही राज्य में लंबे समय से उनके नेतृत्व का दौर खत्म होने की ओर बढ़ गया है और नए मुख्यमंत्री के चयन की प्रक्रिया तेज हो गई है।

राज्यसभा में शपथ ग्रहण कार्यक्रम सीपी राधाकृष्णनके कक्ष में आयोजित हुआ, जहां नीतीश कुमार ने उच्च सदन के सदस्य के रूप में औपचारिक रूप से पदभार संभाला। उनके राज्यसभा पहुंचने के साथ ही बिहार में नेतृत्व परिवर्तन का रास्ता साफ हो गया है। माना जा रहा है कि सत्तारूढ़ एनडीए 14 अप्रैल को नए मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम फैसला ले सकता है।

नीतीश कुमार इससे पहले बिहार विधान परिषद के सदस्य थे और राज्यसभा के लिए निर्वाचित होने के बाद उन्होंने 30 मार्च को एमएलसी पद से इस्तीफा दे दिया था। वह 16 मार्च को राज्यसभा के लिए चुने गए थे और संवैधानिक प्रावधानों के तहत निर्धारित समय सीमा के भीतर इस्तीफा देना जरूरी था।

दिल्ली पहुंचने पर जेडीयू के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने संक्षिप्त बातचीत में कहा कि वह शपथ लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी आए हैं। उनके राज्यसभा सदस्य बनने के बाद अब बिहार की राजनीति में नई रणनीति और नेतृत्व को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बिहार सरकार में मंत्री विजय कुमार चौधरी ने भी संकेत दिए हैं कि नीतीश कुमार जल्द ही मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे और राज्य में एनडीए सरकार नए नेतृत्व के साथ आगे बढ़ेगी। उन्होंने यह भी कहा कि नई सरकार "नीतीश मॉडल" को ही आगे बढ़ाएगी, जो पिछले दो दशकों से राज्य की विकास नीति का आधार रहा है। नीतीश कुमार का राजनीतिक करियर बेहद व्यापक रहा है। वह अब तक लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा और विधान परिषद—चारों सदनों के सदस्य रह चुके हैं। राज्यसभा में यह उनका पहला कार्यकाल है, जबकि वह छह बार लोकसभा सांसद रह चुके हैं। शपथ ग्रहण के बाद उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह से होने की संभावना है, जिसमें बिहार की नई राजनीतिक रणनीति और एनडीए के भविष्य को लेकर चर्चा हो सकती है।

पंजाब पुलिस कमल कौर हत्याकांड के मास्टरमाइंड अमृतपाल मेहरों को यूएई से पकड़ कर लाई

समर न्यूज़ | बठिंडा

लुधियाना की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी उर्फ कमल कौर भाभी के बहुचर्चित हत्याकांड में पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इस मामले के मुख्य आरोपी अमृतपाल सिंह मेहरों को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत लाया गया है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ट्रैक करने के बाद आखिरकार गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, अमृतपाल सिंह को यूएई की अथॉरिटीज की मदद से हिरासत में लिया गया और 10 अप्रैल 2026 को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचते ही गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जा रहा है कि आरोपी को शारजाह पुलिस ने पहले वीजा से जुड़े मामले में हिरासत में लिया था, जिसके बाद भारत लाने की प्रक्रिया शुरू हुई।

यह मामला 11 जून 2025 का है, जब कंचन कुमारी का शव बठिंडा के आदेश अस्पताल की पार्किंग में खड़ी उनकी कार में मिला था। जांच में सामने आया कि आरोपी अमृतपाल सिंह ने अपने साथियों के साथ मिलकर पहले इन्फ्लुएंसर का अपहरण किया और फिर उसकी गला दबाकर हत्या कर दी।

तीन महीने पहले से चल रही थी हत्या की साजिश

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि इस हत्या की साजिश करीब तीन महीने पहले ही रची जा चुकी थी। अमृतपाल सिंह इस पूरे मामले का मास्टरमाइंड था और उसने अपने साथियों जसप्रीत सिंह और निमरतजीत सिंह को भी इसमें शामिल किया था। आरोपियों ने लुधियाना में कई दिनों तक कंचन की रेकी की और उसकी हर गतिविधि पर नजर रखी।

यह भी सामने आया कि आरोपी कई बार कंचन के घर के आसपास होटलों में रुके और सही मौके का इंतजार करते रहे। 7 और 8 जून को आरोपी कंचन के घर भी पहुंचे, लेकिन पहली बार वह घर पर नहीं मिली। दूसरी बार आरोपी ने उससे बातचीत कर उसे अपने जाल में फंसाने की कोशिश की।

प्रमोशन के बहाने बुलाया, फिर रची खौफनाक वारदात

पुलिस के अनुसार, आरोपी ने कंचन को बठिंडा में एक कार शोरूम के प्रमोशन का झांसा दिया। पहले कंचन ने मना कर दिया, लेकिन बाद में आरोपी ने उसे दोबारा कॉल कर विश्वास में लिया और कार की मरम्मत व अन्य सुविधाओं का लालच दिया। इसके बाद 9 जून को कंचन को लुधियाना से बठिंडा बुलाया गया।

बठिंडा पहुंचने के बाद आरोपी और उसके साथी देर रात तक कंचन को अलग-अलग जगहों पर घुमाते रहे। इसके बाद उसे सुनसान इलाके में ले जाकर मोबाइल के पासवर्ड पूछे गए। विरोध करने पर आरोपियों ने उसे थप्पड़ मारे और जबरन फोन अपने कब्जे में ले लिया।

15 मिनट तक गला दबाकर की हत्या

इसके बाद आरोपियों ने मिलकर बेहद निर्ममता से कंचन की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, करीब 15 मिनट तक उसका गला दबाया गया, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद आरोपियों ने शव को उसकी ही कार में डालकर आदेश अस्पताल की पार्किंग में खड़ा कर दिया और मौके से फरार हो गए।

वारदात को छिपाने के लिए आरोपी बार-बार घटनास्थल पर लौटे और सबूत मिटाने की कोशिश भी की। यहां तक कि हत्या में इस्तेमाल किया गया फंदा भी कार से निकालने के लिए दोबारा पहुंचे।

हत्या के बाद विदेश भागा आरोपी, इंटरपोल की मदद से गिरफ्तारी

हत्या के अगले ही दिन अमृतपाल सिंह देश छोड़कर यूएई भाग गया था। पुलिस ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया और इंटरपोल के जरिए रेड नोटिस भी जारी करवाया। इसके बाद मिडिल ईस्ट की एजेंसियों की मदद से उसे ट्रेस किया गया और गिरफ्तार कर भारत लाया गया।

इस मामले में पुलिस पहले ही तीन अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जबकि मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद अब पूरे नेटवर्क और साजिश की गहराई से जांच की जा रही है।

सोशल मीडिया एक्टिविटी से नाराज था आरोपी

जांच में यह भी सामने आया है कि कंचन कुमारी की सोशल मीडिया गतिविधियों से आरोपी नाराज था। वह वीडियो और रील्स बनाती थी, जिसे लेकर आरोपी को आपत्ति थी। इसी कारण उसने इस खौफनाक साजिश को अंजाम दिया।

पुलिस का कहना है कि इस केस में आगे और खुलासे हो सकते हैं। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और यह जानने की कोशिश की जा रही है कि इस साजिश में और कौन-कौन शामिल था।

पीपीसीबी को पराली मामले में स्कॉच सिल्वर अवार्ड मिला

समर न्यूज़ | पटियाला

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को उसके प्रोजेक्ट "संकट से सफलता तक – पंजाब की स्वच्छ हवा बदलाव यात्रा" के लिए पर्यावरण श्रेणी में स्कॉच सिल्वर अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। यह अवार्ड बीते दिनों नई दिल्ली के इंडिया हैबिटैट सेंटर में आयोजित 107वें स्कॉच समिट 'गवर्नेंस ट्रांसफॉर्म्ड' के दौरान प्रदान किया गया।

पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की इस उपलब्धि के बारे में बताते हुए बोर्ड की चेयरपर्सन रीना गुप्ता ने कहा, "बोर्ड को मिली इस राष्ट्रीय मान्यता पर हमें गर्व है।" उन्होंने कहा कि यह सम्मान एक गंभीर पर्यावरणीय चुनौती से निपटने के लिए पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पंजाब, जीरो स्टबल बर्निंग के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ते हुए भविष्य में पराली जलाने की प्रथा को पूरी तरह समाप्त करने के लिए योजनाबद्ध कदम उठा रहा है। रीना गुप्ता ने बताया कि पिछले पांच वर्षों में पंजाब ने पराली जलाने की समस्या के समाधान के लिए बहु-विभागीय प्रयासों के माध्यम से उल्लेखनीय प्रगति की है। इसमें रियल-टाइम मॉनिटरिंग और प्रवर्तन के साथ-साथ दीर्घकालिक संरचनात्मक उपाय शामिल हैं, जैसे कि सीआरएम मशीनरी की बड़े स्तर पर तैनाती, कस्टम हायरिंग केंद्रों को मजबूत करना, और धान की पराली के बाहरी उपयोग में वृद्धि—जो 8.8 लाख टन से बढ़कर सालाना 40 लाख टन हो गई है।

ज्ञान का परोपकारी होना बेहद जरूरी : राज्यपाल

पंजाबी यूनिवर्सिटी में 725 विद्यार्थियों को डिग्री व मेडल प्रदान किए

समर न्यूज़ | पटियाला

पंजाब के राज्यपाल एवं पंजाबी यूनिवर्सिटी के चांसलर गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि ज्ञान तभी सार्थक होता है, जब वह समाज के लिए उपयोगी और परोपकारी हो। वे पंजाबी यूनिवर्सिटी के 41वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यदि ज्ञान समाज के हित में उपयोग नहीं होता, तो उसका महत्व कम हो जाता है। राज्यपाल ने कहा कि पंजाब की धरती गुरु साहिबानों के आशीर्वाद से धन्य है और यहां ज्ञान की ज्योति निरंतर जलती रहनी चाहिए। उन्होंने विश्वविद्यालय की

सराहना करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना किसी भी संस्थान के लिए गर्व की बात है। साथ ही उन्होंने दीक्षांत समारोह को विद्यार्थियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव बताया, जो उनके भविष्य की दिशा तय करता है। दीक्षांत समारोह के दौरान सत्र 2022-23 और 2023-24 के कुल 725 विद्यार्थियों को डिग्रियां और मेडल प्रदान किए गए। इनमें 457 विद्यार्थियों को पीएचडी की डिग्री दी गई, जबकि 179 पोस्ट ग्रेजुएट और प्रोफेशनल कोर्स तथा 86 अंडरग्रेजुएट टॉपर्स को सम्मानित किया गया। इसके अलावा तीन चांसलर मेडल और 18 अन्य मेडल भी वितरित किए गए। इस समारोह में विभिन्न फैकल्टी के विद्यार्थियों ने भाग लिया और पंजाबी संस्कृति की झलक भी देखने को मिली। समारोह में कई गणमान्य व्यक्ति, अधिकारी और शिक्षाविद मौजूद रहे। यह आयोजन विद्यार्थियों की उपलब्धियों का उत्सव होने के साथ-साथ उन्हें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का अहसास कराने का महत्वपूर्ण अवसर भी बना।

कॉलेजों में गड़बड़ियों पर एनएमसी सख्त

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने एक बार फिर मेडिकल कॉलेजों को एमबीबीएस फीस को लेकर चेतावनी जारी की है, लेकिन इसकी प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। 7 अप्रैल 2026 के नोटिस में आयोग ने साफ किया कि 4.5 साल की पढ़ाई के अलावा इंटर्नशिप अवधि के लिए फीस वसूली नहीं की जा सकती। आयोग ने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने पर कार्रवाई होगी, लेकिन पहले भी ऐसे निर्देशों के बावजूद ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई है। आरटीआई कार्यकर्ताओं का कहना है कि NMC नियम बनाता है, लेकिन उनके पालन की जिम्मेदारी राज्यों पर है, जिससे कार्रवाई में कमी दिखती है।

रिलायंस रिटेल वैश्विक सूची में 7वें स्थान पर

टॉप-100 में भारत की तीन कंपनियों की मजबूत मौजूदगी

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

रिलायंस रिटेल ने वैश्विक स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए दुनिया की सबसे मूल्यवान निजी स्टार्टअप कंपनियों की सूची में सातवां स्थान प्राप्त किया है। स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस की ताजा रिसर्च के अनुसार, कंपनी का मूल्यांकन 100 अरब डॉलर से अधिक पहुंच गया है, जिससे वह 'हेक्टाकॉर्न' क्लब में शामिल हो गई है। 'हेक्टाकॉर्न' उन कंपनियों को कहा जाता है जिनका मूल्यांकन 100 अरब डॉलर से अधिक होता है। इस उपलब्धि के साथ रिलायंस रिटेल वैश्विक स्तर पर शीर्ष सात कंपनियों में शामिल हो गई है और खास बात यह है कि इस सूची में वह रिटेल सेक्टर की एकमात्र कंपनी है। रिपोर्ट के अनुसार, रिलायंस रिटेल को कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, केकेआर, सिल्वरलेक, जीआईसी, टीपीजी और मुबाडाला जैसे बड़े वैश्विक निवेशकों का समर्थन मिला है। इन निवेशकों द्वारा तय किए गए मूल्यांकन के आधार पर ही यह रैंकिंग तैयार की गई है। यह आंकड़े जनवरी 2026 तक के हैं।

भारत की तीन कंपनियां टॉप-100 में शामिल

इस वैश्विक सूची में भारत की कुल तीन कंपनियों ने जगह बनाई है। रिलायंस रिटेल के अलावा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 24 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 27वें स्थान पर है, जबकि टाटा ईवी मोबिलिटी 9 अरब डॉलर के साथ 93वें स्थान पर रही।

रिपोर्ट में बताया गया है कि सूची के शीर्ष तीन स्थानों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी कंपनियों का कब्जा है। पहले स्थान पर ओपनएआई, दूसरे पर एलन मस्क की स्पेसएक्स और तीसरे स्थान पर एंथ्रोपिक है। ये तीनों कंपनियां मिलकर कुल वैल्यूएशन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा रखती हैं, जो वैश्विक निवेश में एआई सेक्टर के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

वैश्विक परिदृश्य में भारत की बढ़ती हिस्सेदारी

सूची में अमेरिका 65 कंपनियों के साथ पहले स्थान पर है, जबकि चीन की 21 कंपनियां शामिल हैं। भारत और ब्रिटेन की तीन-तीन कंपनियों ने इस सूची में जगह बनाई है। रिलायंस रिटेल की यह उपलब्धि न केवल कंपनी की मजबूती को दर्शाती है, बल्कि वैश्विक रिटेल बाजार में भारत की बढ़ती भागीदारी और प्रभाव को भी रेखांकित करती है।

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद CAPF एक्ट लागू

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद केंद्र सरकार ने CAPF (जनरल एडमिनिस्ट्रेशन) एक्ट, 2026 को नोटिफाई कर दिया है, जिससे भर्ती, प्रमोशन और डेपुटेशन के नियम तय होंगे। इस नए कानून के तहत CRPF, BSF, CISF, ITBP और SSB के वरिष्ठ अधिकारियों की सेवा शर्तों को एक समान ढांचे में लाया जाएगा। यह विधेयक लोकसभा में 2 अप्रैल और राज्यसभा में 1 अप्रैल को पारित हुआ था। सरकार का कहना है कि CAPFs के प्रभावी संचालन और केंद्र-राज्य समन्वय के लिए IPS अधिकारियों की भूमिका जरूरी है। नए कानून के तहत 67% अतिरिक्त महानिदेशक (ADG) और 50% महानिरीक्षक (IG) पद IPS अधिकारियों के लिए आरक्षित होंगे, जबकि DG और स्पेशल DG के सभी पद उनके लिए निर्धारित किए गए हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर 37.74 करोड़ के सोने के साथ 24 महिलाएं गिरफ्तार

एजेंसी | मुंबई

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़े सोना तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए 24 महिलाओं को राजस्व खुफिया निदेशालय ने गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार इनके पास से 29.37 किलोग्राम सोना बरामद किया गया, जिसकी कीमत लगभग 37.74 करोड़ रुपये है। डीआरआई के अधिकारियों ने बताया, "गुप्त सूचना मिली थी कि केन्या के नैरोबी से आने वाली कुछ महिलाएं अपने साथ सोना छिपाकर ला रही हैं। इसके बाद नैरोबी से मुंबई पहुंची 24 विदेशी महिलाओं को रोका गया। जब उनकी जांच की गई तो, इस दौरान बैग और कपड़ों से 25.10 किलोग्राम सोने की ईंटें और 4.27 किलोग्राम सोने के आभूषण बरामद किए गए। बता दें कि, यह कार्रवाई डीआरआई की मुंबई जोनल यूनिट ने बुधवार को 'ऑपरेशन धाहाबू

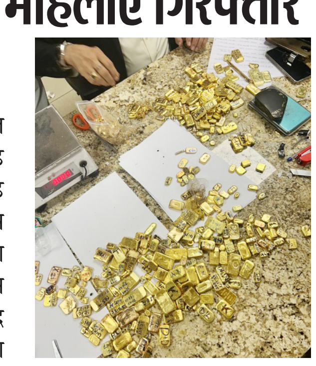

ब्लिट्ज' के तहत किया। इसे मुंबई एयरपोर्ट पर हुई इस साल की सबसे बड़ी कार्रवाई में से एक माना जा रहा है। मालूम हो कि 'धाहाबू' स्वाहिली भाषा में सोने को कहा जाता है। इसके अलावा अब तक की गई जांच में सामने आया कि, इन महिलाओं को सोना छिपाने और सुरक्षा जांच से बच निकलने के लिए प्रशिक्षित किया गया था। वहीं, गिरफ्तार महिलाओं को अदालत में पेश किया गया। जिसके बाद सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

बुनकरों की आय और स्थायित्व सुनिश्चित करना प्राथमिकता: मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी | लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि बुनकर केवल परंपरा के संवाहक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ हैं। ऐसे में उनकी आय, सम्मान और आजीविका की स्थिरता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। वह गुरुवार को हथकरघा विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुनकरों को कच्चे माल की बढ़ती लागत, आधुनिक तकनीक और डिजाइन की कमी तथा सीमित बाजार पहुंच जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए उन्होंने क्लस्टर आधारित नई कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बुनकर बहुल क्षेत्रों की पहचान कर वहां उत्पादन, गुणवत्ता और विपणन को एकीकृत करने

वाले क्लस्टर विकसित किए जाएं। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में करीब 1.99 लाख बुनकर कार्यरत हैं और देश के हथकरघा निर्यात में उत्तर प्रदेश का लगभग 9.27 प्रतिशत योगदान है। कालीन, दरी, मैट, बेडशीट और फर्निशिंग उत्पादों में राज्य की मजबूत उपस्थिति है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्लस्टर केवल उत्पादन तक सीमित न रहकर डिजाइन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार तक पहुंच सुनिश्चित करने वाले संपूर्ण तंत्र के रूप में विकसित किए जाएं। उन्होंने डिजिटल प्लेटफॉर्म, ई-कॉमर्स और ब्रांडिंग को बढ़ावा देने पर जोर दिया, ताकि बुनकरों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ा जा सके।

इसके अलावा, पॉवरलूम बुनकरों के बिजली बिल में कमी लाने और सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि इससे बुनकरों को दीर्घकालिक राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश का बुनकर समुदाय राज्य की समृद्ध परंपरा, रोजगार और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसी संतुलित, पारदर्शी और व्यावहारिक नीति तैयार की जाए, जिससे बुनकरों को वास्तविक राहत मिले, उद्योग को नई गति मिले और प्रदेश की पारंपरिक बुनकरी को सशक्त आधार प्राप्त हो सके। बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी मंत्री राकेश सचान के अलावा विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

विकसित भारत के लक्ष्य में युवाओं की भूमिका अहम : ओम बिरला

एजेंसी | गोवा

गोवा में आयोजित राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के दो दिवसीय सम्मेलन में लोकतांत्रिक संस्थाओं को सशक्त बनाने और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर व्यापक चर्चा हुई। इस सम्मेलन में महाराष्ट्र, गुजरात और गोवा के जनप्रतिनिधियों व वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए युवाओं की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने युवा विधायकों को बदलाव का वाहक बताते हुए कहा कि वे देश के भविष्य को नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं।

उन्होंने पारदर्शी, समावेशी और नवाचार आधारित शासन प्रणाली विकसित करने की जरूरत पर

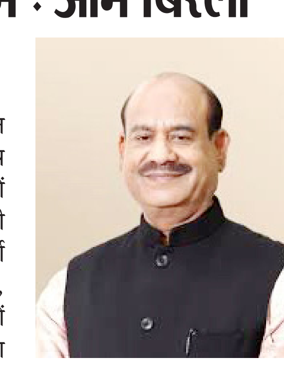

जोर दिया, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। साथ ही जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने की बात भी कही।

वहीं, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि युवा पीढ़ी नए विचार और तकनीकी समझ के साथ शासन को अधिक प्रभावी बना सकती है। उन्होंने नीति निर्माण में युवाओं की भागीदारी को समय की मांग बताया और सहकारी संघवाद को मजबूत करने का आह्वान किया।

मंत्री बरिंदर गोयल ने शुतराणा में 1.45 करोड़ के सिंचाई प्रोजेक्ट किए शुरू

समर न्यूज़ | पातड़ां

पंजाब सरकार ने शुतराणा हलके के किसानों को बड़ी राहत देते हुए 1.45 करोड़ रुपये के सिंचाई प्रोजेक्टों की सौगात दी है। खनन, भू-विज्ञान, भूमि एवं जल संरक्षण और जल संसाधन मंत्री बरिंदर गोयल ने विधायक कुलवंत सिंह बाजीगर के साथ इन प्रोजेक्टों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मंत्री गोयल ने गांव कल्लर भैणी में 11.87 लाख रुपये की लागत से तैयार उस प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया, जिसके तहत छप्पड़ के पानी को सोलर मोटर के माध्यम से पाइपलाइन के जरिए खेतों तक पहुंचाकर सिंचाई की जाएगी। इसके अलावा गांव सधारनपुर में 1 करोड़ 33 लाख रुपये की लागत से नहरी पानी के बेहतर उपयोग के लिए पाइपलाइन आधारित सिंचाई प्रोजेक्ट का शिलान्यास भी किया

गया। मंत्री बरिंदर गोयल ने कहा कि इन प्रोजेक्टों से न केवल किसानों की फसल उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, बल्कि भूमिगत जल की 20 से 30 प्रतिशत तक बचत भी संभव होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में सरकार का उद्देश्य नहरी पानी को टेलों तक पहुंचाकर पानी और पंजाब दोनों को बचाना है। उन्होंने किसानों के बीच मुख्यमंत्री का संदेश साझा करते हुए कहा कि "पानी की बूंद-बूंद बचाकर खेतों तक पहुंचाना" सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अब छप्पड़ों का पानी, जो पहले व्यर्थ चला जाता था, उसे भी सिंचाई के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। मंत्री गोयल ने बताया कि पंजाब सरकार ने नहर प्रणाली को मजबूत बनाने और सिंचाई के लिए नहरी पानी के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए 6700 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

जहां भूमिगत पानी पीने योग्य नहीं है, वहां नहर का पानी उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही घग्गर समेत अन्य नदियों में बाढ़ से बचाव के लिए 30 जून तक सभी जरूरी इंतजाम पूरे कर लिए जाएंगे। इस मौके पर बड़ी संख्या में किसान, पंचायत प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

श्रद्धा | अटारी-वाघा बॉर्डर से 'बोले सो निहाल' के जयकारों के बीच हुई रवानगी

बैसाखी पर पाक रवाना हुआ 2840 सिख श्रद्धालुओं का जत्था

समर न्यूज़ | अमृतसर

बैसाखी पर्व के अवसर पर देशभर से करीब 2840 सिख श्रद्धालुओं का जत्था आज अटारी-वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान के लिए रवाना हुआ। यह श्रद्धालु खालसा सृजना दिवस (बैसाखी) मनाने के साथ-साथ पाकिस्तान स्थित ऐतिहासिक गुरुधामों के दर्शन करेंगे। श्रद्धालुओं को इस धार्मिक यात्रा के लिए 10 दिनों का वीजा प्रदान किया गया है। इस मौके पर अटारी बॉर्डर पर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला। "बोले सो निहाल सत श्री अकाल" के जयकारों के बीच जत्थे को विदाई दी गई। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) की ओर से 1763 श्रद्धालुओं का प्रमुख जत्था भेजा गया, जिसकी अगुवाई एसजीपीसी सदस्य सुरजीत सिंह तुगलवाल कर रहे हैं।

इस धार्मिक यात्रा में विभिन्न सिख संगठनों और कमेटियों के श्रद्धालु शामिल हैं। एसजीपीसी से 1763, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से 409 और हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी से 255 श्रद्धालुओं को वीजा जारी किया गया है। इस प्रकार कुल मिलाकर 2840 श्रद्धालु पाकिस्तान स्थित पवित्र स्थलों के दर्शन के लिए रवाना हुए हैं।

हालांकि इस यात्रा के लिए एसजीपीसी ने कुल 1795 श्रद्धालुओं के वीजा आवेदन भेजे थे, जिनमें से 1763 को ही वीजा जारी किया गया, जबकि 32 श्रद्धालुओं के आवेदन रद्द कर दिए गए। वीजा न मिलने से कई श्रद्धालुओं में निराशा भी देखी गई, लेकिन फिर भी जत्थे में शामिल श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ।

अधिकारियों के अनुसार यह पूरी यात्रा 10 दिनों की होगी और श्रद्धालु 19 अप्रैल को भारत वापस लौटेंगे।

करतारपुर साहिब कॉरिडोर को लेकर उठी मांग

रवानगी के दौरान श्रद्धालुओं ने भारत और पाकिस्तान की सरकारों से अपील की कि अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को वीजा जारी किया जाए, ताकि ज्यादा लोग धार्मिक स्थलों के दर्शन कर सकें। साथ ही श्रद्धालुओं ने करतारपुर साहिब कॉरिडोर को पूरी तरह से खोलने की भी मांग उठाई।

इसके अलावा पाकिस्तान द्वारा लगाए गए 20 डॉलर के शुल्क को समाप्त करने की भी मांग की गई। श्रद्धालुओं का कहना है कि इस शुल्क के कारण कई लोगों के लिए यात्रा करना मुश्किल हो जाता है।

श्रद्धालुओं में दिखा उत्साह और आस्था

अटारी बॉर्डर पर श्रद्धालुओं के चेहरों पर खुशी और आस्था साफ नजर आई। पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालु गुरुबाणी का कीर्तन करते हुए और जयकारे लगाते हुए पाकिस्तान के लिए रवाना हुए। यह यात्रा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि भारत और पाकिस्तान के बीच सांस्कृतिक और धार्मिक संबंधों को भी मजबूत करती है।

यह जत्था अपने 10 दिन के धार्मिक दौरे के दौरान पाकिस्तान के विभिन्न ऐतिहासिक गुरुद्वारों में जाकर दर्शन करेगा और बैसाखी पर्व को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाएगा।

दिल्ली में 30 साल बाद कैसे होगी पेड़ों की गिनती, अब हरियाली का बनेगा पूरा रिकॉर्ड

पेड़ों की गिनती LiDAR, GIS, ड्रोन और रिमोट सेंसिंग जैसी नई तकनीक से होगी

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में 1994 में दिल्ली प्रिजर्वेशन ऑफ ट्रीज एक्ट लागू होने के तीन दशक से ज्यादा समय बाद पहली बार पूरे शहर में पेड़ों की गिनती होने जा रही है। इस काम के लिए केंद्र सरकार ने 219 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। यह प्रक्रिया अगले चार साल में चरणों में पूरी की जाएगी।

देहरादून के फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट (एफआरआई) के अलावा, जो इस गणना की निगरानी करेगा, दिल्ली सरकार ने एक विशेषज्ञ पैनल भी बनाया है, जिसमें पर्यावरणविद प्रदीप कृष्णन और इंडियन फॉरेस्ट सर्विस (आईएफएस) के अधिकारी एमडी सिन्हा और सुनील लिमये शामिल हैं।

दिल्ली सरकार के पर्यावरण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि एफआरआई के वैज्ञानिक अगले तीन से चार महीनों में पेड़ों की गिनती शुरू करेंगे।

अधिकारी ने दिप्रिंट से कहा, "यह प्रक्रिया चरणों में होगी और इस गणना में केवल गैर-जंगल वाले क्षेत्रों को शामिल किया जाएगा। इससे शहर के पेड़ों की सही तस्वीर मिलेगी।"

▪ प्रक्रिया

पेड़ों की गिनती नई तकनीक जैसे लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग (लिडार), जियोग्राफिक इन्फॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस), ड्रोन और रिमोट सेंसिंग की मदद से की जाएगी। जब पेड़ों को 'ऑब्जेक्ट' के रूप में पहचान लिया जाएगा, तो उनका डेटा एक केंद्रीय सर्वर पर भेजा जाएगा, जिससे गिनती तेज और ज्यादा सही होगी।

जहां पेड़ बहुत ज्यादा घने होंगे और अलग-अलग पेड़ों की पहचान मुश्किल होगी, वहां लोग जाकर हाथ से गिनती करेंगे। पेड़ों की सिर्फ गिनती ही नहीं होगी, बल्कि उन्हें उनकी प्रजाति, किस देश से आए, ऊंचाई, मोटाई, उम्र और सेहत के आधार पर भी अलग-अलग श्रेणी में रखा जाएगा।

एफआरआई के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक ने दिप्रिंट से कहा, "दिल्ली में यह प्रक्रिया बहुत मुश्किल नहीं होनी चाहिए, क्योंकि शहर के इलाकों में बहुत ज्यादा घने पेड़ों वाले हिस्से नहीं हैं।" अधिकारी ने बताया कि अगले दो हफ्तों में मध्य और दक्षिण दिल्ली के कुछ हिस्सों में पायलट गिनती शुरू होगी।

▪ अब तक कोई गणना नहीं

1994 में दिल्ली प्रिजर्वेशन ऑफ ट्रीज एक्ट (DPTA) लागू होने के बाद से शहर में पेड़ों की कोई गणना नहीं हुई है। 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार दिल्ली ट्री अथॉरिटी (DTA) को राजधानी में पेड़ों की गणना कराने को कहा था।

2025 में कोर्ट ने फॉरेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट को इस काम में शामिल किया और संस्थान की सर्वे करने की योजना को मंजूरी दी, जिसमें शहर में हरियाली बढ़ाने के सुझाव भी शामिल थे। जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुयान की बेंच ने कहा कि पूरी तरह से पेड़ों की गणना होने से शहर में पेड़ों की अवैध कटाई पर नजर रखना आसान होगा और एफआरआई को कम समय में यह काम करने को कहा।

इन निर्देशों के बाद एफआरआई ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा दिया, जिसमें इस काम के खर्च का अनुमान बताया गया।

एफआरआई के हलफनामे में कहा गया, "एफआरआई पहले और दूसरे चरण को लागू करने, तरीका तय करने और तीसरे चरण के लिए एक एक्शन प्लान बनाने के लिए पायलट ट्रायल करने पर 443 लाख रुपये का अनुमानित बजट प्रस्तावित करता है।"

अधिकारियों ने कहा कि एक बार तरीका तय हो जाने के बाद, हर कुछ साल में यह प्रक्रिया दोबारा की जा सकती है।

▪ स्थानीय स्तर पर पेड़ों की गणना

जहां सरकार पेड़ों की गणना कराने में देरी कर रही थी, वहीं कुछ इलाकों के लोगों ने अपने स्तर पर ऐसे सर्वे करने की पहल की।

दिल्ली की पहली अनौपचारिक पेड़ गणना दक्षिण दिल्ली के सर्वोदय एन्क्लेव के लोगों ने कराई थी। यह 2012 में पर्यावरण कार्यकर्ता पद्मावती द्विवेदी ने कराई थी। स्थानीय लोगों ने स्थानीय अधिकारियों की मदद से हर कुछ साल में फिर से सर्वे कराकर शहर में पेड़ों की कमी का अनुमान लगाया।

पहले सर्वे के बाद वसंत विहार, गुलमोहर पार्क और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी जैसे इलाकों में भी ऐसे सर्वे शुरू किए गए।

इस साल भारत का मॉनसून सामान्य से कम रह सकता

साल 2026 में सामान्य से कम होगी बारिश, सूखे का खतरा, स्काईमेट का अनुमान

समर न्यूज़ | नई दिल्ली

मार्च के महीने में देश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश हुई है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। निजी मौसम पूर्वानुमान एजेंसी स्काईमेट वेदर कहा कि इस साल बारिश से सामान्य से कम हो सकती है, जो लंबी अवधि के औसत (LPA) का 94 फीसदी होगी। इसकी बड़ी वजह El Nio को माना जा रहा है, जिसका असर बारिश पर पड़ सकता है। Skymet का कहना है कि चार महीनों में देशभर में औसतन 817 मिलीमीटर बारिश हो सकती है। हालांकि इसमें 5 फीसदी तक ऊपर या नीचे रहने की गुंजाइश भी बताई गई है। एजेंसी ने यह भी कहा है कि इस साल देश में सूखे की आशंका करीब 30 फीसदी तक है, जबकि 40 फीसदी संभावना ऐसी है कि बारिश सामान्य से कम ही रहे। अब सबकी नजर सरकारी मौसम विभाग पर टिकी हुई हैं। कहा जा रहा है कि सरकारी मौसम विभाग इस महीने के आखिर तक मानसून को लेकर अपना पहला आधिकारिक अनुमान जारी कर सकता है।

▪ किस महीने कितनी होगी बारिश?

निजी मौसम एजेंसी स्काइमेट के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक 2026 के मानसून सीजन में बारिश का पैटर्न संतुलित नहीं रहेगा। चार महीनों के इस सीजन में सिर्फ जून में सामान्य बारिश की उम्मीद जताई गई है, जबकि बाकी महीनों में बारिश औसत से कम रहने का अनुमान जताया गया है। स्काइमेट के अनुसार जून में बारिश लॉन्ग पीरियड एवरेज यानी एलपीए का करीब 101 फीसदी रह सकती है।

इस महीने के सामान्य रहने की संभावना 40 फीसदी है, जबकि 40 फीसदी संभावना इसे सामान्य से कम रहने की भी है। जून का एलपीए 165.13 मिमी है। जुलाई महीने में बारिश एलपीए के 95 फीसदी तक रहने का अनुमान है, यानी यह सामान्य से कम रह सकती है। जुलाई के लिए सामान्य और कम बारिश, दोनों की संभावना 40-40 फीसदी बताई गई है। इस महीने का एलपीए 280.5 मिमी है।

▪ अगस्त-सितंबर में बारिश का हाल

अगस्त में भी बारिश की स्थिति कमजोर हो सकती है। स्काइमेट का अनुमान है कि इस महीने बारिश एलपीए के 92 फीसदी तक ही रह सकती है। अगस्त में कम बारिश होने की संभावना करीब 60 फीसदी बताई गई है। इस महीने का एलपीए 254.9 मिमी है। वहीं सितंबर में भी राहत के संकेत नहीं हैं। देशभर में औसत बारिश एलपीए के 89 फीसदी रहने का अनुमान है, जो सामान्य से कम श्रेणी में आता है। सितंबर में कम बारिश होने की संभावना सबसे ज्यादा 79 फीसदी बताई गई है। इस महीने का एलपीए 167.9 मिमी है। कुल मिलाकर स्काइमेट के शुरुआती अनुमान से साफ है कि 2026 के मानसून में जून को छोड़कर बाकी तीनों महीनों में बारिश सामान्य से कम रह सकती है। इससे खेती और जल संसाधनों पर असर पड़ने की आशंका जताई गई है।

▪ अल नीनो की वापसी कमजोर मानसून का संकेत

स्काईमेट के मैनेजिंग डायरेक्टर जतिन सिंह के मुताबिक, पिछले डेढ़ साल से सक्रिय 'ला नीना' की स्थिति अब समाप्त हो रही है। प्रशांत महासागर अब 'ईएनएसओ-न्यूट्रल' (ENSO-neutral) की ओर बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मानसून के शुरुआती चरण में 'अल नीनो' (El Nio) के विकसित होने की संभावना है, जो सीजन के दूसरे भाग में और मजबूत हो सकता है। अल नीनो के कारण मानसून कमजोर पड़ सकता है और बारिश के वितरण में अनियमितता देखने को मिल सकती है।

पंजाब की सियासत में जन्म लेते नए सियासी दल

15 साल में बने सात नए सियासी दल, सब विलय या गुमनाम हो गए

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

पंजाब की राजनीति में नई पार्टियों का बनना कोई नया ट्रेंड नहीं है। बीते करीब 15 वर्षों में राज्य में 7 नए सियासी दल अस्तित्व में आए, लेकिन इनमें से ज्यादातर जनता पर खास असर नहीं छोड़ पाए। तीन दल तो समय के साथ बड़ी पार्टियों में विलय भी हो गए, जबकि बाकी चुनावी मैदान में अपनी पहचान मजबूत नहीं बना सके।

साल 2012, 2017 और 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले नए राजनीतिक विकल्प देने के दावे के साथ कई पार्टियां बनीं। इनमें मनप्रीत सिंह बादल की पीपल्स पार्टी ऑफ पंजाब, सिमरजीत सिंह बैंस की लोक इंसाफ पार्टी, सुच्चा सिंह छोटेपुर की अपना इंसाफ पार्टी, कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस, सुखदेव सिंह ढींढसा की शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त), किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल का संयुक्त समाज मोर्चा और गुरनाम सिंह चढ़ूनी की संयुक्त संघर्ष पार्टी शामिल हैं। इनमें से कुछ पार्टियां शुरुआती दौर में चर्चा में जरूर रहीं, लेकिन चुनावी नतीजों में खास सफलता नहीं मिल सकी। कई दलों का अंततः कांग्रेस या भाजपा जैसी बड़ी पार्टियों में विलय हो गया।

इसी बीच अब डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने भी नई राजनीतिक पारी की शुरुआत करते हुए अपनी पार्टी के साथ मैदान में उतरने का संकेत दिया है। उन्होंने सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कही है, जिससे एक बार फिर पंजाब की सियासत में नए समीकरण बनने की चर्चा तेज हो गई है। हालांकि बड़ा सवाल अब नवजोत सिंह सिद्धू को लेकर है, जो फिलहाल कांग्रेस में हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि वे अपनी पत्नी की नई पार्टी का समर्थन करेंगे या कांग्रेस के साथ ही बने रहेंगे।

कई राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पंजाब में नई पार्टी बनाना जितना आसान लगता है, बल्कि उससे भी ज्यादा उसे जमीन पर मजबूत करना उतना ही मुश्किल काम है। पिछले 15 साल के आंकड़े यही बताते हैं कि जनता का भरोसा जीतना किसी भी नए दल के लिए सबसे बड़ी चुनौती ही रहा है।

रेल नीर घोटाले से जुड़े सवालों पर जानकारी नहीं दी

केंद्रीय सूचना आयोग ने आईआरसीटीसी को लगाई फटकार

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने भारतीय रेलवे की खानपान इकाई आईआरसीटीसी को एक आरटीआई मामले में कड़ी फटकार लगाई है। मामला उन कंपनियों से जुड़ी जानकारी देने से इनकार का है, जिन्होंने रेलवे के टेंडर में हिस्सा लिया था और जिन पर कथित तौर पर 'रेल नीर घोटाले' व अन्य मामलों में केंद्रीय एजेंसियों की जांच चल रही थी।

दरअसल, आरटीआई आवेदक ने पूछा था कि क्या टेंडर में भाग लेने वाली कंपनियों ने अपने दस्तावेजों में यह स्पष्ट किया था कि उनके खिलाफ सीबीआई या प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मामले दर्ज हैं या नहीं। आवेदन में यह भी जानने की कोशिश की गई थी कि क्या कंपनियों ने यह खुलासा किया कि वे 2015 के चर्चित 'रेल नीर घोटाले' में आरोपी हैं, जिसमें सीबीआई ने एफआईआर दर्ज की थी।

इस घोटाले में निजी केटरिंग कंपनियों पर आरोप था कि उन्होंने राजधानी और शताब्दी जैसी प्रीमियम ट्रेनों में निर्धारित 'रेल नीर' की जगह सस्ता बोतलबंद पानी सप्लाई किया, जिससे रेलवे को करीब 19.5 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था।

आरटीआई में यह भी पूछा गया था कि क्या कंपनियों ने ईडी द्वारा दर्ज मामलों, छापेमारी, नकदी जब्ती, और कोर्ट में चार्जशीट या शिकायत दाखिल होने जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां भी साझा की थीं। कुल मिलाकर, आवेदन का उद्देश्य यह जानना था कि सरकारी टेंडर प्रक्रिया में भाग लेते समय कंपनियां अपने खिलाफ चल रही जांच के बारे में कितनी पारदर्शिता बरतती हैं।

हालांकि, आईआरसीटीसी ने इस जानकारी को देने से इनकार कर दिया। उसने अपने जवाब में कहा कि मांगी गई जानकारी आरटीआई कानून की धारा 8(1)(d) के तहत आती है, जिसके अनुसार व्यावसायिक गोपनीयता, व्यापारिक रहस्य या बौद्धिक संपदा से जुड़ी सूचनाएं सार्वजनिक नहीं की जा सकतीं, यदि उनके खुलासे से किसी तीसरे पक्ष की प्रतिस्पर्धी स्थिति को नुकसान पहुंचता हो। सुनवाई के दौरान अपीलकर्ता ने इस तर्क को चुनौती देते हुए कहा कि यह जानकारी 'बड़े सार्वजनिक हित' से जुड़ी है और इसे गलत तरीके से रोका गया है। आईआरसीटीसी के अधिकारियों ने अपने जवाब का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने कानून के तहत उचित छूट का हवाला दिया है और प्रथम अपीलीय प्राधिकारी ने भी उनके फैसले को बरकरार रखा था।

मामले की सुनवाई के बाद केंद्रीय सूचना आयोग ने आईआरसीटीसी के जवाब को अपर्याप्त माना। आयोग ने कहा कि केवल किसी धारा का हवाला देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह भी बताना जरूरी है कि वह धारा मांगी गई जानकारी पर कैसे लागू होती है।

आयोग ने स्पष्ट किया कि बिना ठोस कारण बताए छूट का हवाला देना आरटीआई कानून के अनुरूप नहीं है। साथ ही यह भी कहा कि सूचना न देने का जिम्मा पूरी तरह संबंधित सार्वजनिक प्राधिकरण पर होता है, जिसे यह साबित करना होता है कि छूट लागू क्यों है। आखिरकार, आयोग ने आईआरसीटीसी के जवाब को कानून के अनुरूप न मानते हुए उसे आरटीआई आवेदन पर दोबारा विचार करने और एक नया, कारण सहित जवाब देने का निर्देश दिया।

Good DAY

समर न्यूज़ | लुधियाना

यह नई सुबह आपके जीवन में नई उम्मीदों और खुशियों की किरण लेकर आए। हर दिन एक नया अवसर होता है, इसलिए आज को सकारात्मक सोच और पूरे उत्साह के साथ अपनाएं। बीते कल को पीछे छोड़कर आगे बढ़ें और अपने सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर प्रयास करते रहें। खुद पर विश्वास रखें, मेहनत करते रहें और चेहरे पर मुस्कान बनाए रखें।

इष्ट तुली
फ़ैशन इन्फ़्लुएंसर

पेज 3 एंकर स्टोरी

गृह मंत्री ने बीएसएफ को इसके इस्तेमाल पर विचार करने को कहा

भारत-बांग्लादेश सीमा की सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगे सांप और मगरमच्छ

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ और आपराधिक गतिविधियों को रोकने के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को एक असामान्य प्रस्ताव पर विचार करने को कहा गया है। एक आंतरिक संचार के मुताबिक, नदी वाले सीमावर्ती इलाकों में सांप और मगरमच्छ जैसे सरीसृपों के इस्तेमाल की संभावना तलाशने के निर्देश दिए गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, 26 मार्च को बीएसएफ मुख्यालय से बांग्लादेश सीमा से जुड़े सभी फील्ड यूनिट्स को भेजे गए एक संदेश में कहा गया है कि 'गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों के अनुरूप' इस प्रस्ताव पर विचार किया जाए। इसमें कहा गया है कि संवेदनशील नदी क्षेत्रों में सरीसृपों की तैनाती की व्यवहार्यता को ऑपरेशनल नजरिए से परखा जाए। हालांकि, बीएसएफ की ओर से इस पर आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभी तक इस विचार को लागू नहीं किया गया है और फिलहाल केवल इसकी संभावना पर विचार चल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इसके सामने कई व्यावहारिक चुनौतियां हैं, जैसे इन जीवों की व्यवस्था कैसे होगी और इसका असर सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों पर क्या पड़ेगा।

यह प्रस्ताव 9 फरवरी को दिल्ली स्थित बीएसएफ मुख्यालय में हुई एक बैठक के बाद सामने आया है। बीएसएफ भारत-बांग्लादेश और भारत-पाकिस्तान सीमा की निगरानी करने वाली प्रमुख बल है। खासतौर पर पूर्वी सीमा के कई हिस्से बाढ़-प्रभावित हैं, जहां भौगोलिक परिस्थितियों के कारण बाड़ लगाना मुश्किल है।

सीमावर्ती इलाकों में घनी आबादी होने के कारण इस तरह के उपाय से स्थानीय लोगों, खासकर बाढ़ के समय, गंभीर खतरा पैदा हो सकता है।

गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति की 17 मार्च की रिपोर्ट के अनुसार, भारत-बांग्लादेश सीमा की कुल लंबाई 4,096.7 किलोमीटर है, जिसमें से 3,326.14 किलोमीटर हिस्से में बाड़ लगाने को मंजूरी दी गई थी। अब तक 2,954.56 किलोमीटर क्षेत्र में बाड़ लगाई जा चुकी है, जबकि लगभग 371 किलोमीटर हिस्सा अभी भी बिना बाड़ के है।

गृह मंत्रालय की 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में भी माना गया है कि यह सीमा पहाड़ों, नदियों और घाटियों जैसे कठिन भूभाग से गुजरती है, जिससे निगरानी और बाड़ निर्माण में दिक्कतें आती हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ संवेदनशील इलाकों में भौतिक बाड़ की जगह तकनीकी समाधान विकसित किए जा रहे हैं, लेकिन जमीन अधिग्रहण, स्थानीय विरोध और भौगोलिक चुनौतियों के कारण काम धीमा पड़ा है।

26 मार्च के संदेश में यह भी निर्देश दिया गया है कि पूर्वी कमान उन सीमा चौकियों की पहचान करे, जहां मोबाइल नेटवर्क नहीं है या सिग्नल बहुत कमजोर है। साथ ही सीमावर्ती गांवों के निवासियों के खिलाफ दर्ज मामलों का विस्तृत ब्योरा भी मांगा गया है।

कुल मिलाकर, सीमा सुरक्षा के लिए नए विकल्पों की तलाश के बीच यह प्रस्ताव सामने आया है, लेकिन इसके व्यावहारिक और मानवीय असर को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।

108 आरएमसी प्लांट पर जुर्माना

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों के बाद हरियाणा में प्रदूषण नियंत्रण को लेकर बड़ी कार्रवाई की गई है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राज्यभर में 370 रेडी मिक्स कंक्रीट (RMC) प्लांट चिन्हित किए, जिनमें 186 बिना अनुमति के संचालित पाए गए। पर्यावरण मानकों का उल्लंघन करने वाले 108 प्लांट पर 8 लाख से लेकर 1.13 करोड़ रुपये तक जुर्माना लगाया गया है, जबकि 73 प्लांट को बंद करने की सिफारिश की गई है। कई प्लांट मालिकों ने अब तक जुर्माना जमा नहीं कराया है। जांच में सामने आया कि इन प्लांटों से धूल प्रदूषण, भूमिगत जल का दोहन और शोर प्रदूषण फैल रहा है। गुरुग्राम में सबसे ज्यादा उल्लंघन मिले, जहां बड़ी संख्या में प्लांट बिना अनुमति चल रहे थे। यहां 150 आरएमसी प्लांट संचालित हो रहे हैं।

सोनीपत हाईवे हादसा

खड़ी कार को ट्रक ने घसीटा, दो बहनों की मौत

समर न्यूज़ | सोनीपत

सोनीपत के नेशनल हाईवे-44 पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा सामने आया, जिसने खुशियों के माहौल को पल भर में मातम में बदल दिया। तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे खड़ी एक कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि ट्रक कार को करीब 200 मीटर तक घसीटते हुए ले गया, जिससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और मौके पर चीख-पुकार मच गई।

जानकारी के अनुसार, कार सवार सभी लोग दिल्ली के तिलक नगर से एक जन्मदिन पार्टी में शामिल होने के लिए सोनीपत आए थे। पार्टी के दौरान महिला अपने परिजनों,दो बहनों और जीजा के साथ कार के पास खड़ी थी, तभी अचानक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया।

इस दर्दनाक हादसे में तिलक नगर निवासी मनदीप कौर और पंजाब के अमृतसर की रहने वाली मनप्रीत कौर की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दोनों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। वहीं, चार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। घटना नेशनल हाईवे-44 पर स्थित गोल्डन हट ढाबे के सामने हुई।

हादसे की सूचना मिलते ही राई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शवगृह भिजवा दिया है।

हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। वहीं, इस हादसे के बाद क्षेत्र में दहशत और शोक का माहौल बना हुआ है।

कुरुक्षेत्र मर्डर केस

भाइयों की साजिश, हाथ-पैर बांधकर नहर में फेंका शव

समर न्यूज़ | कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र में नरवाना ब्रांच नहर से मिले हाथ-पैर बंधे शव के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अपराध अन्वेषण शाखा-2 की टीम ने इस हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए पंजाब के मोहाली जिले के लालड़ू स्थित गोलू माजरा निवासी राजेंद्र कुमार और राकेश कुमार को काबू किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि दोनों आरोपी मृतक के सगे भाई ही निकले।

जांच अधिकारी मोहन लाल के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने भाई गुरमुख सिंह की हत्या की साजिश रची थी। वे उसे दवा दिलाने के बहाने मोटरसाइकिल पर साथ ले गए। रास्ते में एक दुकान से प्लास्टिक की रस्सी खरीदी और वापसी के दौरान सुनसान स्थान पर उसके हाथ-पैर बांध दिए। इसके बाद उसे जिंदा ही नहर में फेंक दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक, गुरमुख सिंह लंबे समय से मानसिक रूप से अस्वस्थ था। वह सातवीं कक्षा में असफल होने के बाद मानसिक संतुलन खो बैठा था और पिछले 17-18 वर्षों से उसका इलाज चल रहा था, लेकिन कोई खास सुधार नहीं हुआ। परिजनों का आरोप है कि उसकी मानसिक स्थिति के कारण वह घर के सदस्यों और बच्चों के साथ मारपीट करता था, जिससे परिवार में डर का माहौल बना रहता था।

इसी डर और तनाव के चलते आरोपियों ने यह खौफनाक कदम उठाया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया है, ताकि मामले की गहराई से जांच की जा सके और अन्य तथ्यों का खुलासा हो सके।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस साजिश में कोई और व्यक्ति शामिल तो नहीं था।

गुरुग्राम IMT मानेसर हिंसा में आरोपियों की तलाश तेज

कई कर्मचारी हिरासत में लिए गए

समर न्यूज़ | गुरुग्राम

हरियाणा के गुरुग्राम स्थित IMT मानेसर में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर चल रही कर्मचारियों की हड़ताल हिंसक रूप ले बैठी। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई, जिसके बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। उपद्रव के दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की गाड़ी और बाइक में तोड़फोड़ की, जबकि एक बाइक को आग के हवाले कर दिया गया।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज किया, जिसमें कई कर्मचारी घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कई संदिग्धों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ जारी है। साथ ही, वायरल वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है।

पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार के अनुसार, हड़ताल के दौरान कुछ असामाजिक तत्वों ने निजी कंपनी परिसर में भी नुकसान पहुंचाया और पुलिस बल पर पथराव किया। इसके चलते कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। घटना के बाद क्षेत्र में एहतियातन धारा 163 लागू कर दी गई है और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, हालांकि तनाव का माहौल बना हुआ है। हड़ताल के चलते औद्योगिक क्षेत्र की कई कंपनियों का कामकाज प्रभावित हुआ है। कुछ कर्मचारी काम पर लौटने को तैयार हैं, जबकि कई अब भी अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं और वेतन वृद्धि लागू होने तक हड़ताल जारी रखने की बात कह रहे हैं।

इस मामले में थाना IMT मानेसर में अज्ञात लोगों के खिलाफ सरकारी व निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पुलिस पर हमला करने के आरोप में केस दर्ज किया गया है।

वहीं, जिला उपायुक्त (DC) ने वीडियो संदेश जारी कर श्रमिकों से शांति बनाए रखने और किसी के बहकावे में न आने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा वेतन वृद्धि को लेकर फैसला लिया जा चुका है, इसलिए कर्मचारी जल्द काम पर लौटें ताकि औद्योगिक गतिविधियां सामान्य हो सकें।

आईआईटीएन बाबा अभय सिंह ने

शादी के बाद यूनिवर्सिटी खोलने का किया ऐलान

समर न्यूज़ | झज्जर

महाकुंभ 2025 में चर्चा में आए आईआईटीएन बाबा अभय सिंह शादी के बाद एक बार फिर सोशल मीडिया पर सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने अपनी नई जीवन यात्रा और आध्यात्मिक योजनाओं को साझा करते हुए एक नई यूनिवर्सिटी स्थापित करने का ऐलान किया है। इस यूनिवर्सिटी में पारंपरिक शिक्षा के साथ ध्यान, क्रिया साधना, सनातन मूल्यों और आध्यात्मिक अनुशासन को शामिल करने की बात कही गई है। अभय सिंह ने बताया कि वे इस समय अपनी पत्नी प्रीतिका के साथ मिलकर अध्यात्म और शिक्षा को जोड़ने वाले प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। उनकी शादी 15 फरवरी को हिमाचल प्रदेश के अघनजर महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर हुई थी। प्रीतिका कर्नाटक की रहने वाली इंजीनियर हैं।

सोशल मीडिया पर सक्रिय होते हुए अभय सिंह ने तीन प्लेटफॉर्म भी साझा किए हैं, जिनके माध्यम से वे "श्री यूनिवर्सिटी" या "सनातन यूनिवर्सिटी" की स्थापना की योजना आगे बढ़ा रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म्स पर फंडिंग का विकल्प भी उपलब्ध बताया गया है। उन्होंने यह भी लिखा कि जिस पहल को प्रमुखता मिलनी चाहिए थी, उसे सही तरीके से प्रस्तुत नहीं किया गया।

अभय सिंह का कहना है कि वे पिछले एक साल से प्रीतिका के साथ रहकर आध्यात्मिक विषयों पर काम कर रहे हैं। दोनों की मुलाकात करीब एक साल पहले हुई थी, जिसके बाद धीरे-धीरे समझ विकसित होने पर उन्होंने विवाह का निर्णय लिया। प्रीतिका ने अभय को सरल, ईमानदार और गहरी सोच वाला व्यक्ति बताया है।

शादी के बाद अभय सिंह अपने पैतृक गांव झज्जर पहुंचे, जहां उनके पिता के चैंबर के बाहर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। उनके अनुयायी और समर्थक उनसे मिलने और सेल्फी लेने के लिए पहुंचे।

यूनिवर्सिटी का विजन

अभय सिंह के अनुसार प्रस्तावित यूनिवर्सिटी में आधुनिक शिक्षा के साथ आध्यात्मिक प्रशिक्षण को भी शामिल किया जाएगा। इसमें ध्यान, क्रिया साधना और सनातन मूल्यों पर विशेष फोकस रहेगा, ताकि छात्रों को जीवन की सही दिशा और मानसिक संतुलन मिल सके। शुरुआती चरण में "श्री डॉट फाउंडेशन" के माध्यम से ऑनलाइन साधना कार्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं।

पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में लिया

प्रेम-प्रसंग में युवक की चाकू से हत्या

समर न्यूज़ | फरीदाबाद

फरीदाबाद के सराय ख्वाजा थाना क्षेत्र में बदरपुर बॉर्डर के पास देर रात एक दर्दनाक वारदात सामने आई, जहां 25 वर्षीय युवक सचिन मेहरा की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। यह घटना हाईवे पर स्थित रेड लायन गेस्ट हाउस के बाहर हुई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार, मृतक सचिन मेहरा पल्ला क्षेत्र के सूर्या विहार का रहने वाला था और एक अस्पताल में काम करता था। देर रात उसे गेस्ट हाउस में काम करने वाले एक युवक ने फोन कर मिलने के लिए बुलाया था। जैसे ही सचिन बाइक से वहां पहुंचा, पहले से मौजूद तीन युवकों ने उस पर हमला कर दिया।

बताया जा रहा है कि आरोपियों ने पहले सचिन के साथ मारपीट की और इसके बाद एक युवक ने उस पर चाकू से कई वार कर दिए। गंभीर रूप से घायल सचिन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है, जबकि एक युवती को भी पूछताछ के लिए पकड़ा गया है। प्रारंभिक जांच में मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, घटना के दौरान पुलिस की राइडर टीम मौके पर मौजूद थी, लेकिन परिजनों ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं कि उन्होंने बीच-बचाव नहीं किया। परिजनों का यह भी आरोप है कि घटना के बाद उन्हें देर से सूचना दी गई और फॉरेंसिक टीम भी समय पर मौके पर नहीं पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बादशाह खान नागरिक अस्पताल भेज दिया है।

दो ट्रेलरों की भिड़ंत, चालक की मौत

समर न्यूज़ | महराजगंज

नगर पंचायत परतावल मुख्य चौराहे पर शुक्रवार भोर तेज धमाके के साथ दो ट्रेलरों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में एक चालक की मौत हो गई, जबकि आसपास की कई दुकानें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

जानकारी के अनुसार, हरियाणा नंबर का एक ट्रेलर कप्तानगंज की ओर से पनियरा रोड की तरफ जा रहा था, जबकि औरैया जिले का दूसरा ट्रेलर गोरखपुर से महराजगंज की ओर आ रहा था। इसी दौरान श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के परतावल चौराहे पर रात करीब दो बजे दोनों वाहनों की जोरदार भिड़ंत हो गई।

टक्कर इतनी भीषण थी कि औरैया जिले के ट्रेलर में लदा रिफाइंड तेल सड़क पर फैल गया और डीजल टैंक लीक होने से सड़क पर फिसलन फैल गई।

नवजात तस्करी कांड

लालच में आरोपी ने अपने दो बच्चे भी बेच डाले

समर न्यूज़ | बहादुरगढ़

बहादुरगढ़ में सामने आए नवजात शिशु तस्करी मामले ने चौंकाने वाले खुलासों के साथ पूरे प्रदेश में सनसनी फैला दी है। पुलिस जांच में पता चला है कि इस संगठित गिरोह के एक सदस्य ने पैसों के लालच में अपनी दो पत्नियों से हुए दो बच्चों को भी बेच दिया। आरोपी फिलहाल पुलिस की गिरफ्त में है।

जांच में यह भी सामने आया है कि यह गिरोह 'गोद दिलाने' के नाम पर अवैध रूप से नवजात बच्चों की खरीद-फरोख्त का बड़ा नेटवर्क चला रहा था। अब तक की जांच में देश के 10 राज्यों में 50 से अधिक बच्चों को बेचने के संकेत मिले हैं, जबकि पुलिस ने फिलहाल 40 मामलों की पुष्टि की है। इस पूरे नेटवर्क में कई और राज्यों तक फैले कनेक्शन सामने आए हैं।

पुलिस के अनुसार, गिरोह का सरगना प्रगट सिंह उर्फ लाडी अभी फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पंजाब सहित कई राज्यों में छापेमारी की जा रही है, हालांकि उसका पूरा परिवार भी फिलहाल गायब बताया जा रहा है। जांच में उसकी पत्नी और साली की भूमिका भी संदिग्ध पाई गई है। अब तक इस मामले में कुल नौ आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है, जिनमें से छह रिमांड पर हैं।

हाल ही में गिरफ्तार चार आरोपियों में संदीप पवार, रुद्रा प्रताप, विजय और मोहन पांचाल शामिल हैं, जो इस पूरे नेटवर्क में सप्लाई चेन और ग्राहकों से संपर्क का काम संभालते थे। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी संदीप पवार ने अपनी दो अलग-अलग पत्नियों से जन्मे एक लड़का और एक लड़की को भी लगभग आठ लाख रुपये में बेच दिया। दोनों बच्चों को बरामद कर लिया गया है और उनके डीएनए मिलान की प्रक्रिया जारी है। इस पूरे मामले में अब तक दो बच्चों को सुरक्षित बरामद किया गया है, जबकि उनके जैविक माता-पिता को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कई आरोपियों के बैंक खाते फ्रीज कर दिए हैं और उनकी संपत्ति की जांच की जा रही है।

पुलिस ने इस संगठित अपराध की जांच के लिए विशेष जांच दल (SIT) का गठन किया है। अधिकारियों के अनुसार, यह गिरोह वर्ष 2022 से सक्रिय था और देश के कई राज्यों में बच्चों की अवैध खरीद-फरोख्त कर रहा था।

तांत्रिक ठगी कांड, परिवार से 1.07 करोड़ की धोखाधड़ी

समर न्यूज़ | कैथल

हरियाणा के कैथल जिले के बुढ़ाखेड़ा गांव में अंधविश्वास और धोखाधड़ी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला तांत्रिक ने एक परिवार को सर्वनाश का डर दिखाकर करीब 1.07 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। आरोप है कि महिला ने न केवल परिवार से भारी रकम ऐंठी बल्कि सोने-चांदी के जेवर भी हड़प लिए। इसके साथ ही पीड़ित परिवार को डर के माहौल में रखकर बलि के नाम पर उनके सदस्यों से इंजेक्शन द्वारा खून निकलवाकर मंदिर में चढ़ाने के लिए मजबूर भी किया गया।

पीड़ित अमनदीप ने बताया कि उनके पिता सुखबीर सिंह लंबे समय से बीमार थे, जिसका फायदा उठाकर गांव की ही सुमन नामक महिला ने उन्हें अपने झांसे में ले लिया। महिला ने दावा किया कि परिवार पर किसी प्रकार का जादू-टोना किया गया है और इससे बचने के लिए काली माता और बाबा भैरों नाथ का मंदिर बनवाना जरूरी है। इसी डर के चलते परिवार ने अपनी जमीन बेच दी और बैंक की फिक्स्ड डिपॉजिट भी तुड़वा दी। पीड़ित पक्ष के अनुसार, आरोपी महिला को करीब 76 लाख रुपये नकद और 7 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर किए गए, जबकि लगभग 32 तोले चांदी और 6 तोले सोने के जेवर भी हड़प लिए गए। आरोप यह भी है कि महिला परिवार को चामुंडा देवी धाम ले जाकर इंजेक्शन से खून निकलवाती थी।

मनी लॉन्ड्रिंग केस

धर्म सिंह छोकर की जमानत याचिका खारिज

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

चंडीगढ़ स्थित पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में हरियाणा के कांग्रेस के पूर्व विधायक धर्म सिंह छोकर को बड़ा झटका देते हुए उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि आरोपों की गंभीरता, वित्तीय लेन-देन की प्रकृति और जांच में सामने आए साक्ष्यों को देखते हुए इस चरण पर आरोपी को जमानत देना उचित नहीं होगा।

यह मामला गुरुग्राम से जुड़े मूल अपराधों के आधार पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग जांच से संबंधित है। सुनवाई जस्टिस त्रिभुवन दहिया की अदालत में हुई। यह केस महिरा समूह की एक कंपनी से जुड़ी किफायती हाउसिंग परियोजना से संबंधित है, जिस पर याचिकाकर्ता और उसके परिवार का नियंत्रण बताया गया है। आरोप है कि इस परियोजना में घर खरीदारों से एकत्र की गई बड़ी राशि का गबन और दुरुपयोग किया गया।

ईडी के अनुसार, याचिकाकर्ता धर्म सिंह छोकर पर सह-आरोपियों के साथ मिलकर लगभग 616 करोड़ रुपये की अपराध से अर्जित आय को अवैध तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप है। वहीं, बचाव पक्ष ने दलील दी कि वह वरिष्ठ नागरिक हैं, जांच में सहयोग कर रहे हैं और मुकदमे की सुनवाई में लंबा समय लग सकता है, इसलिए उन्हें जमानत दी जानी चाहिए। हालांकि प्रवर्तन निदेशालय ने इन दलीलों का विरोध करते हुए कहा कि आरोप गंभीर हैं और जांच के दौरान याचिकाकर्ता का आचरण भी संदिग्ध रहा है। ईडी ने यह भी बताया कि कई बार अदालत में पेश न होने पर उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए गए थे। गिरफ्तारी से बचने के प्रयासों के दौरान वह अपने आवास से अनुपस्थित पाए गए और बाद में दिल्ली के एक होटल से भागने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया। अदालत ने रिकॉर्ड और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर माना कि आरोपी परियोजना से जुड़ी कई कंपनियों में सक्रिय भूमिका निभा रहा था और मामले में उसकी संलिप्तता प्रथम दृष्टया स्पष्ट होती है।

रूस में करनाल के 17 वर्षीय युवक की संदिग्ध मौत

समर न्यूज़ | करनाल

करनाल के बसंत विहार निवासी 17 वर्षीय देव पुंडीर की रूस में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। परिजनों को यह जानकारी व्हाट्सएप के माध्यम से उसके साथियों द्वारा दी गई, जिसके बाद परिवार में शोक की लहर दौड़ गई। बताया जा रहा है कि देव 16 मार्च को टूरिस्ट वीजा पर रूस घूमने गया था और शुरुआत में उससे संपर्क बना हुआ था, लेकिन कुछ दिनों बाद उसका फोन बंद हो गया और शनिवार के बाद से परिजनों से उसका कोई संपर्क नहीं हो पाया।

परिजनों का कहना है कि अचानक उन्हें व्हाट्सएप पर देव की फोटो के साथ उसकी मौत की सूचना मिली, हालांकि अभी तक उसकी मौत के कारणों का कोई स्पष्ट पता नहीं चल सका है। परिवार ने सरकार से अपील की है कि मामले की गंभीरता से जांच कराई जाए और शव को भारत वापस लाने की व्यवस्था की जाए ताकि अंतिम संस्कार किया जा सके।

मृतक के पिता विनोद कुमार ने बताया कि उन्होंने बेटे को विदेश जाने से रोकने की कोशिश की थी और पढ़ाई पूरी करने की सलाह दी थी, लेकिन देव ने कहा था कि वह केवल घूमने जा रहा है और जल्द लौट आएगा। देव ने हाल ही में 12वीं कक्षा पास की थी और वह होटल मैनेजमेंट का डिप्लोमा कर रहा था। वह तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा और परिवार का इकलौता बेटा था। घटना के बाद परिवार गहरे सदमे में है और प्रशासन से जल्द मदद की मांग कर रहा है।

महादान

हरियाणा में मानवता की मिसाल

ब्रेन डेड युवक के अंगदान से 8 को मिला जीवनदान

समर न्यूज़ | रोहतक

हरियाणा के रोहतक स्थित पीजीआई में एक प्रेरणादायक उदाहरण सामने आया है, जहां भिवानी जिले के जुई कलां निवासी 37 वर्षीय विजेंद्र ने अपनी मृत्यु के बाद भी आठ लोगों को नई जिंदगी दे दी। गंभीर सिर की चोट के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उन्हें ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया।

परिवार ने कठिन समय में भी साहस दिखाते हुए विजेंद्र के अंगदान का निर्णय लिया। उनके दो कॉर्निया, हृदय, लिवर, फेफड़े और दोनों किडनी दान की गईं। इन अंगों को सुरक्षित तरीके से जरूरतमंद मरीजों तक पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया, जिसके माध्यम से अंगों को रोहतक से गुरुग्राम और दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों में भेजा गया।

पीजीआई प्रशासन के अनुसार, अंगों को तीन अलग-अलग एंबुलेंस के जरिए रवाना किया गया। सबसे पहले हृदय को दिल्ली भेजा गया, जबकि अन्य अंगों को भी समयबद्ध तरीके से अलग-अलग अस्पतालों में पहुंचाया गया। इस दौरान पुलिस की विशेष व्यवस्था रही, जिसमें प्रत्येक एंबुलेंस के साथ सुरक्षा वाहनों का काफिला मौजूद था, ताकि अंगों को बिना किसी देरी के गंतव्य तक पहुंचाया जा सके।

विजेंद्र के पिता राजबीर ने बताया कि बेटे को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था, लेकिन सात दिन के इलाज के बावजूद उसकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। डॉक्टरों की सलाह और सोटो टीम की समझाइश के बाद परिवार ने अंगदान का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि बेटे को खोने का दुख जरूर है, लेकिन यह संतोष भी है कि उसके अंग किसी और के काम आएंगे।

अस्पताल प्रशासन ने बताया कि यह पीजीआई में तीसरा मल्टी ऑर्गन डोनेशन है और पहली बार सभी प्रमुख अंग सफलतापूर्वक दान किए गए हैं। वहीं, समालखा विधायक मनमोहन सिंह भड़ाना ने परिवार को पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की।

सैनी जारी करेंगे पेंशन और DBT लाभार्थियों को राहत

समर न्यूज़ | चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश के लाखों लोगों को बड़ी राहत देने जा रहे हैं। चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभार्थियों के खातों में सीधे आर्थिक सहायता राशि जारी करेंगे। यह कार्यक्रम सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग द्वारा आयोजित किया गया है।

इस पहल के तहत राज्य के बुजुर्गों, महिलाओं, दिव्यांगों और जरूरतमंद वर्गों को सीधा लाभ मिलेगा। सरकार की ओर से सभी भुगतान डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से किए जाएंगे, जिससे राशि बिना किसी देरी और बिचौलिए के सीधे लाभार्थियों तक पहुंचेगी।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 'लाडो लक्ष्मी योजना' रहेगी, जिसके तहत पात्र महिलाओं के खातों में किस्त जारी की जाएगी।

सत्ता बदले के लिए नहीं, बदलाव के लिए होती है : जयराम ठाकुर

सदन में हमने स्पीकर से विधानसभा की गरिमा बचाने की गुहार लगाई थी

समर न्यूज़ | कुल्लू

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने व्यवस्था परिवर्तन वाली सुक्खू सरकार के कानून को असंवैधानिक बताते हुए कांग्रेस के बागी विधायकों की पेंशन की बहाली के आदेश का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि यह न्याय की जीत है और बदले की भावना से की जा रही कार्रवाई और तानाशाही की हार है। सरकार व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर लगातार असंवैधानिक कार्य करती जा रही है, जिसके कारण आए दिन माननीय न्यायालय में सरकार की फजीहत होती है।

आज अपने फैसले में माननीय न्यायालय द्वारा सरकार पर की गई टिप्पणी 'कानून बदले के लिए नहीं, भविष्य के लिए होते हैं' सरकार को हर असंवैधानिक गतिविधि पर एक तमाचा है। मुख्यमंत्री को समझना चाहिए कि सत्ता उनके अहं की संतुष्टि और राजनीतिक प्रतिशोध का साधन नहीं है। जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश की विधानसभा को मुख्यमंत्री के राजनीतिक प्रतिशोध का मंच बनने से रोकने के लिए हमने स्पीकर से गुहार भी लगाई थी। विधानसभा में यह बात हमने लगातार कही, बार-बार कही कि ऐसे कानून मत बनाओ जो कानून की कसौटी पर एक मिनट भी न टिक पाएँ। इस माननीय सदन में बनाया गया कानून अगर अदालत में संविधान की कसौटी पर खरा नहीं उतरता है, तो इससे इस माननीय सदन की गरिमा गिरती है। इस सदन की एक गरिमा है, उसका ध्यान रखा जाए। हमने विधानसभा के भीतर भी माननीय विधानसभा अध्यक्ष को आगाह किया था कि राजनीतिक प्रतिशोध की भावना में ऐसे कानून बनाने की इजाजत न दें, जो कानून की कसौटी पर एक मिनट भी न टिक पाएँ। जयराम ठाकुर ने कहा कि एक नहीं, दर्जनों बार इस सरकार के नीतिगत फैसले माननीय उच्च न्यायालय द्वारा असंवैधानिक ठहराते हुए खारिज किए गए हैं। हर दिन मुख्यमंत्री के असंवैधानिक कार्यों की वजह से हिमाचल प्रदेश चर्चा में होता है और पूरे प्रदेश की किरकिरी होती है। यह सरकार व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर संविधान की धज्जियाँ उड़ाने से बाज नहीं आ रही है। सलाहकारों और वकीलों की फौज के बावजूद भी मुख्यमंत्री हर दिन असंवैधानिक फैसले क्यों लेते हैं, जिससे प्रदेश के संसाधन और सरकार की ऊर्जा न्यायालय में खर्च होती है। सिर्फ पंचायत चुनाव में ही मुख्यमंत्री को पांच बार माननीय उच्च न्यायालय की फटकार पड़ चुकी है। व्यवस्था परिवर्तन वाली सुक्खू सरकार का शायद ही कोई नीतिगत फैसला होगा, जो कानून की कसौटी पर खरा उतर पाया हो।

फंदे से झूलकर 28 वर्षीय युवक की मौत, बेरोजगारी को लेकर चर्चा

धर्मवीर | मंडी
समर न्यूज़

जोगिंदर नगर क्षेत्र के तहत आने वाले बसेहड़ (सपेड़ू) गांव, डाकघर भराड़ू में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। 28 वर्षीय युवक का शव उसके कमरे में फंदे से लटका हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सचिन कुमार, पुत्र हेम सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, युवक ने अपने घर के कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। जब परिजनों को इस घटना का पता चला तो घर में कोहराम मच गया और तुरंत पुलिस को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या के पीछे के कारण स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। लेकिन क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बना हुआ है कि युवक ने बेरोजगारी से तंग आकर यह खौफनाक कदम उठाया है।

धूमल के 82वें जन्मदिन पर भाजपा के सेवा कार्यक्रम में सफाई कर्मचारियों का सम्मान

अरविंद | हमीरपुर
समर न्यूज़

पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के 82वें जन्मदिन के उपलक्ष्य पर जिला हमीरपुर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में गांधी चौक हमीरपुर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां सफाई कर्मचारियों को सम्मानित कर उनके कार्यों की सराहना की गई। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सफाई कर्मचारियों को सम्मानित करते हुए समाज में उनकी अहम भूमिका को रेखांकित किया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कहा कि स्वच्छता कर्मियों का योगदान समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और उन्हें सम्मान देना हम सभी का दायित्व है।जिला भर में इस अवसर पर कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। बूथ, मंडल और जिला स्तर पर रक्तदान शिविर लगाए जा रहे हैं, जिनमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं। इसके साथ ही समीरपुर में वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया जाएगा। खास तौर पर उन कार्यकर्ताओं को सम्मानित करने की योजना है जिन्होंने राम मंदिर निर्माण आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी और कारावास भी झेला। जिला भाजपा मीडिया प्रभारी विक्रमजीत बन्याल ने बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री का जन्मदिन पूरे जिले में उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा सेवा और समर्पण की भावना के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें कार्यकर्ता बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं।

भाजपा का कांग्रेस मुक्त का दावा महज कल्पना मात्र है : विक्रमादित्य

धर्मवीर | मंडी
समर न्यूज़

लोक निर्माण विभाग मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने मंडी जिला के दो दिवसीय दौरे के दौरान भाजपा पर तीखा निशाना साधा। पंडोह में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं के "कांग्रेस मुक्त" के दावे केवल कल्पना मात्र हैं और जमीनी हकीकत से उनका कोई संबंध नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि वे अव्यावहारिक सपने देख रहे हैं। विक्रमादित्य सिंह ने तंज कसते हुए कहा कि जब देश स्तर पर भी इस तरह का लक्ष्य पूरा नहीं हो पाया, तो राज्य स्तर पर इस प्रकार के दावे करना केवल राजनीतिक बयानबाजी है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि जयराम ठाकुर खुद को बड़ा नेता मानते हैं, तो उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान चुनावी प्रदर्शन को भी याद रखना चाहिए।

विक्रमादित्य सिंह ने आगे कहा कि भाजपा नेताओं को बयान देने से पहले आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने मंडी लोकसभा उपचुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय भी भाजपा अपनी सीट बचाने में सफल नहीं रही थी, जो उनके दावों की सच्चाई को दर्शाता है। वहीं, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कौल सिंह ठाकुर द्वारा सरकार की कार्यप्रणाली पर की गई टिप्पणी को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी और सरकार के भीतर सब कुछ सामान्य है।

उन्होंने कौल सिंह को अनुभवी नेता बताते हुए कहा कि यदि कोई मुद्दा है तो उसे उचित मंच पर उठाया जाएगा। उन्होंने भरोसा जताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार मजबूती से कार्य कर रही है और संगठन में भी समन्वय बना हुआ है। साथ ही, उन्होंने संकेत दिया कि पार्टी के भीतर उठने वाले किसी भी मुद्दे को गंभीरता से लिया जाएगा और आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

ऊना में निकाली रोष रैली

हिमाचल में कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा का हल्ला बोल

राकेश | ऊना
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार की नीतियों के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को ऊना जिला में जोरदार आक्रोश प्रदर्शन किया। प्रदेश भर में आयोजित इस विरोध कार्यक्रम के तहत ऊना में भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और रोष रैली निकाली।

इस प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा विधायक सतपाल सत्ती और जिला प्रभारी रश्मि दास सूद ने किया। एमसी पार्क से शुरू हुई यह रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए डीसी ऑफिस पहुंची, जहां भाजपा नेताओं ने प्रशासन के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। भाजपा विधायक सतपाल सत्ती ने मीडिया से बातचीत में कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है और भ्रष्टाचार लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में माफिया राज, गुंडागर्दी और फिरौती जैसी घटनाएं बढ़ी हैं, जिससे आम जनता में भय का माहौल है।सत्ती ने यह भी कहा कि कांग्रेस ने चुनाव से पहले जनता से जो 10 गारंटियां दी थीं, उन्हें अब तक पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने सरकार पर विकास कार्यों को ठप करने का आरोप लगाते हुए कहा कि बेरोजगारी बढ़ रही है और युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल रहे। इसके अलावा उन्होंने हिमकेयर योजना और पेंशन जैसी सुविधाओं में आ रही दिक्कतों का भी मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि कई लोगों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही और कर्मचारियों को वेतन देने में भी देरी हो रही है।

हरोली उत्सव को लेकर भी भाजपा ने सरकार पर निशाना साधा। सत्ती ने कहा कि एक ओर प्रदेश की जनता समस्याओं से जूझ रही है, वहीं सरकार उत्सव मनाने में व्यस्त है। भाजपा ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द ही अपनी नीतियों में सुधार नहीं किया, तो आने वाले समय में प्रदेशभर में और बड़े स्तर पर आंदोलन किए जाएंगे।

विनोद बोले- देवभूमि का अपमान, हो कानूनी कार्रवाई

संजू | शिमला
समर न्यूज़

हिमाचल प्रदेश की राजनीति में उस वक्त तीखी बयानबाजी शुरू हो गई जब नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर द्वारा प्रदेश की तुलना पाकिस्तान से करने वाला बयान सामने आया। इस टिप्पणी पर कांग्रेस ने कड़ा रुख अपनाते हुए इसे न सिर्फ गैरजिम्मेदाराना बल्कि राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला करार दिया है। कांग्रेस महासचिव विनोद जिंटा ने इस बयान को "मानसिक दिवालियापन" बताते हुए जयराम ठाकुर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

विनोद जिंटा ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हिमाचल प्रदेश को देवभूमि कहा जाता है और इसकी तुलना पाकिस्तान जैसे देश से करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या प्रदेश में किसी प्रकार की आतंकी गतिविधियां हो रही हैं, जो ऐसी तुलना की जाए। जिंटा ने कहा कि जयराम ठाकुर जैसे अनुभवी नेता से इस तरह की बयानबाजी की उम्मीद नहीं की जा सकती, खासकर तब जब वे मुख्यमंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर रह चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के बयान केवल मीडिया में बने रहने के लिए दिए जा रहे हैं, जो प्रदेश की गरिमा के साथ खिलवाड़ है। ऐसे बयान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल की छवि को धूमिल करते हैं।

राजीव भवन में एनएसयूआई का 56वां स्थापना दिवस

रक्तदान शिविर के साथ युवाओं को विचारधारा से जोड़ा

समर न्यूज़ | शिमला

शिमला स्थित हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में आज एनएसयूआई (नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया) का 56वां स्थापना दिवस उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण और शपथ ग्रहण समारोह से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस अवसर पर सामाजिक सरोकार को ध्यान में रखते हुए रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। शिमला शहरी विधायक हरीश जनारथा, शाहपुर से विधायक केवल सिंह पठानिया और मुख्यमंत्री के ओएसडी रितेश कपरेट विशेष रूप से उपस्थित रहे। नेताओं ने अपने संबोधन में एनएसयूआई की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यह संगठन युवाओं को राजनीति में सकारात्मक दिशा देने का मजबूत मंच है।विधायक हरीश जनारथा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि एनएसयूआई की स्थापना का मूल उद्देश्य छात्र जीवन से ही युवाओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ना रहा है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी सोच थी कि कॉलेज स्तर पर ऐसे संगठनों को विकसित किया जाए, जो भविष्य में देश को मजबूत नेतृत्व प्रदान कर सकें।उन्होंने यह भी बताया कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस के कई बड़े नेता एनएसयूआई की पृष्ठभूमि से निकले हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने छात्र राजनीति से ही अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की थी। इससे स्पष्ट होता है कि एनएसयूआई न केवल संगठनात्मक रूप से मजबूत है, बल्कि नेतृत्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी गईं और युवाओं से आह्वान किया गया कि वे पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

एस्कॉर्ट सर्विस से पुलिस ने तीन महिलाओं को बचाया

राकेश | ऊना
समर न्यूज़

ऊना जिला में पुलिस ने आज गुप्त सूचना के आधार पर एक निजी प्रॉपर्टी पर चल रहे एस्कॉर्ट सर्विस का भंडाफोड़ किया। एक निजी स्थल पर अवैध एस्कॉर्ट सर्विस संचालित की जा रही थी, जिसे पुलिस ने एसआईयू टीम की योजना के तहत निष्क्रिय किया। कार्रवाई के दौरान मौके से तीन महिलाओं को सुरक्षित निकाला गया और तीन युवकों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू कर दी गई है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।ऊना पुलिस के कप्तान सचिन हीरेमठ ने घटनास्थल पर जाकर कार्रवाई का निरीक्षण किया और मीडिया को बताया कि पुलिस की प्राथमिकता पीड़ितों की सुरक्षा और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाना है। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल अन्य संदिग्धों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उन पर भी आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।एसपी हीरेमठ ने यह भी स्पष्ट किया कि पुलिस द्वारा लगातार ऐसे अपराधों पर नजर रखी जा रही है और आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एसआईयू और अन्य विभाग सक्रिय हैं। इस कार्रवाई के बाद ऊना जिले में अपराधियों के खिलाफ पुलिस की सतर्कता और तेज कार्रवाई का संदेश गया।

अखनखोला पुलिया निर्माण के लिए तीसरी बार टेंडर, ठेकेदारों की उदासीनता से बढ़ी परेशानी

राहुल | धर्मशाला
समर न्यूज़

धर्मशाला के नजदीक सुधेड़-अखनखोला मार्ग पर स्थित क्षतिग्रस्त पुलिया के पुनर्निर्माण को लेकर लोक निर्माण विभाग अब तीसरी बार टेंडर प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। इससे पहले दो बार टेंडर जारी किए जा चुके हैं, लेकिन हैरानी की बात है कि किसी भी ठेकेदार ने इसमें रुचि नहीं दिखाई। ऐसे में क्षेत्र के लोगों की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है और विभाग पर जल्द समाधान निकालने का दबाव भी बढ़ गया है। यह पुलिया शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती है और पिछले साल बरसात के दौरान बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। वर्तमान में ग्रामीणों ने अस्थायी तौर पर लोहे के गार्डरों की मदद से इसे संभाल रखा है, जिससे किसी तरह आवाजाही जारी है। हालांकि, यह व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित नहीं है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।सुधेड़-अखनखोला मार्ग का महत्व इस वजह से भी अधिक है क्योंकि यह चड्डी से आने वाले वाहनों के लिए मैक्लोडगंज जाने का एक प्रमुख शॉर्टकट मार्ग है। खासकर पर्यटन सीजन में इस सड़क पर वाहनों की आवाजाही बढ़ जाती है। पिछले दिनों जब धर्मशाला बाईपास भूस्खलन के कारण बंद हो गया था, तब इस मार्ग ने वैकल्पिक रास्ते के रूप में अहम भूमिका निभाई थी। यही कारण है कि स्थानीय लोग इसे मैक्लोडगंज से जोड़ने वाली 'लाइफलाइन' मानते हैं।ग्रामीणों का कहना है कि पुलिया अब तक तीन बार की बरसात झेल चुकी है, लेकिन इसकी स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। उन्हें आशंका है कि आगामी बरसात में यह पुलिया पूरी तरह ध्वस्त हो सकती है, जिससे संपर्क पूरी तरह टूट सकता है। लोक निर्माण विभाग के चीफ इंजीनियर ई. विकास सूद ने बताया कि इस सड़क पर ड्रास्टिक सेटलमेंट की समस्या भी सामने आई है, जिसके समाधान के लिए सरकार को प्रस्ताव भेजा गया था। पीडीएनए के तहत फंड भी स्वीकृत हो चुके हैं और सड़क के संरक्षण के लिए डंगे व क्रेटवॉल का कार्य करीब 60 प्रतिशत पूरा हो चुका है।उन्होंने कहा कि पुलिया निर्माण के लिए पहले दो बार टेंडर जारी किए गए, लेकिन ठेकेदारों की ओर से कोई भागीदारी नहीं हुई। अब विभाग ने टेंडर को पुनः जारी करने का निर्णय लिया है।

साइबर फ्रॉड

नूरपुर के एडवोकेट की सतर्कता से बचा बड़ा साइबर फ्रॉड

फर्जी ई-चालान ऐप के जरिए ठगी की कोशिश नाकाम

संजीव | कांगड़ा
समर न्यूज़

नूरपुर में ऑनलाइन ठगी का एक मामला सामने आया है, जहां साइबर अपराधियों ने फर्जी ई-चालान ऐप के जरिए ठगी करने का प्रयास किया, लेकिन समय रहते सतर्कता बरतने से एक बड़ा नुकसान टल गया। यह मामला नूरपुर के एडवोकेट अजितेश पठानिया से जुड़ा है, जिन्होंने अपनी सूझबूझ से साइबर ठगों की चाल को नाकाम कर दिया। जानकारी के अनुसार, एडवोकेट अजितेश पठानिया को एक संदिग्ध लिंक/ऐप के माध्यम से ई-चालान से संबंधित सूचना भेजी गई। पहली नजर में यह एक सरकारी प्रक्रिया जैसा प्रतीत हो रहा था, लेकिन उन्हें इस पर संदेह हुआ। शक होने पर उन्होंने तुरंत पुलिस जिला नूरपुर की साइबर सेल ब्रांच से संपर्क किया और पूरी जानकारी साझा की।साइबर सेल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्हें तुरंत सावधानी बरतने की सलाह दी। अधिकारियों ने उनके सभी बैंक खातों को सुरक्षित करने और अस्थायी रूप से बंद/सीज कराने की प्रक्रिया अपनाने को कहा। साइबर सेल की सलाह पर एडवोकेट अजितेश ने बिना देर किए संबंधित बैंक शाखा में जाकर अपने खातों को बंद कराने के लिए आवेदन दिया। समय रहते उठाए गए इस कदम के चलते साइबर ठग उनके खातों तक पहुंच नहीं बना सके और एक बड़ा ऑनलाइन फ्रॉड टल गया। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि सतर्कता और जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। एडवोकेट अजितेश पठानिया ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक, ऐप या मैसेज पर भरोसा न करें और बिना पुष्टि किए कोई भी एप्लिकेशन डाउनलोड न करें। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी तरह का संदेह हो तो तुरंत साइबर सेल या पुलिस से संपर्क करें।उन्होंने इस मामले में सहयोग के लिए पुलिस जिला नूरपुर की साइबर सेल टीम और एसपी नूरपुर का धन्यवाद भी व्यक्त किया।

तैश में आकर दोस्त ने सिर पर मारा बल्ला

धर्मवीर | मंडी
समर न्यूज़

खेल के मैदान में कुछ दोस्त क्रिकेट खेल रहे थे, तभी अचानक दो दोस्त बॉलिंग और विकेटकिपिंग को लेकर आपस में उलझ गए। एक ने तैश में आकर दूसरे दोस्त के सिर पर लकड़ी के बल्ले से जोरदार प्रहार कर दिया। घायल व बेहोश अवस्था में किशोर को नागरिक अस्पताल सुंनी ले जाया गया, जहां से डाक्टरों ने उसे आईजीएमसी शिमला रेफर दिया। 8 दिनों तक चले उपचार के बाद बीते रोज किशोर ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने अब बीएनएस की धारा 103 के तहत मामला दर्ज करते हुए आगामी कार्रवाई शुरू दी जाएगी। बाल आरोपी को जल्द ही बाल न्यायलय में पेश किया जाएगा। 1 अप्रैल को यह घटना है। उसी दिन पीड़ित किशोर के परिजनों ने निहरी चौकी में मारपीट का मामला दर्ज कराया था।

संसद में पंजाब की एक प्रखर आवाज़ बनकर उभरे राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू

उपस्थिति, सवालों, विधायी पहल और जनहित मुद्दों के जरिए संसद में बनाई मजबूत पहचान

समर न्यूज | नई दिल्ली/मोहाली

बजट सत्र 2026 के दौरान पंजाब से राज्यसभा सदस्य सतनाम सिंह संधू सबसे सक्रिय और प्रभावशाली सांसदों में उभरकर सामने आए हैं। उनकी संसदीय कार्यशैली ने उन्हें आम लोगों की आवाज़ को संसद तक पहुंचाने वाले एक मजबूत प्रतिनिधि के रूप में स्थापित किया है।

संसद में सांसदों की प्रभावशीलता का आकलन उनकी उपस्थिति, पूछे गए सवालों, उठाए गए मुद्दों और विधायी योगदान के आधार पर किया जाता है। इस सत्र में पंजाब का प्रतिनिधित्व लोकसभा के 13 और राज्यसभा के 7 सांसदों द्वारा किया गया। इस दौरान सतनाम सिंह संधू ने 96.7 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराते हुए खुद को सबसे नियमित सांसदों में शामिल किया। वहीं लोकसभा सदस्य अमर सिंह की उपस्थिति 100 प्रतिशत रही और राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा की उपस्थिति भी संधू के बराबर रही।

सवाल पूछने के मामले में भी संधू सबसे आगे रहे। उन्होंने कुल 51 प्रश्न पूछे, जिनमें 5 सप्लीमेंट्री प्रश्न भी शामिल थे। यह उनकी सक्रियता और जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने की क्षमता को दर्शाता है। नियमित उपस्थिति के साथ अधिकतम प्रश्न पूछना उनकी निरंतरता और जिम्मेदारी को उजागर करता है।

संसद में पंजाब से जुड़े मुद्दों को उठाने में भी संधू अग्रणी रहे। बजट सत्र के दौरान उन्होंने पंजाब और

चंडीगढ़ से जुड़े 22 अहम मुद्दे उठाए, जो राज्य के सभी सांसदों में सबसे अधिक हैं। इनमें श्री दरबार साहिब स्थित सिख रेफरेंस लाइब्रेरी की बहाली, भूजल स्तर में गिरावट, जल प्रदूषण, बाढ़ प्रबंधन, किसानों के लिए आर्थिक सहायता और सीमावर्ती क्षेत्रों में रेलवे कनेक्टिविटी जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल रहे।

इसके अलावा उन्होंने पंजाब में हॉर्टिकल्चर इंस्टीट्यूट और सहकारी विश्वविद्यालय की स्थापना की मांग भी उठाई। चंडीगढ़ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को 'पॉइंट ऑफ कॉल' का दर्जा देने की मांग भी उनके प्रमुख हस्तक्षेपों में शामिल रही। विशेषज्ञों के अनुसार, संधू का यह दृष्टिकोण राज्य के विकास से जुड़े मुद्दों की गहरी समझ को दर्शाता है।

विधायी पहल के स्तर पर भी संधू का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। उन्होंने तीन निजी विधेयक पेश किए, जिनमें प्रवासी भारतीय कौशल एवं प्रतिभा प्रेरक विधेयक, किसान जीवन सुरक्षा एवं दुर्घटना प्रतिपूर्ति विधेयक और उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए राष्ट्रीय रैंकिंग एवं प्रत्यायन प्राधिकरण विधेयक शामिल हैं। ये विधेयक सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों को संबोधित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

ज़ीरो आवर और विशेष उल्लेख के दौरान भी संधू सक्रिय रहे और सात बार हस्तक्षेप किया। इसके साथ ही उन्होंने 25 मंत्रालयों से जुड़े मुद्दे उठाकर अपनी व्यापक भागीदारी दर्ज कराई। विशेषज्ञों का मानना है कि उनकी सक्रियता और गंभीर दृष्टिकोण उन्हें एक प्रभावशाली सांसद के रूप में स्थापित करता है।

कुल मिलाकर, बजट सत्र 2026 में सतनाम सिंह संधू का प्रदर्शन न केवल संसद में उनकी सक्रियता को दर्शाता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वे जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

चोरी हुआ आईफोन पुलिस ने एक घंटे में किया बरामद

समर न्यूज | चंडीगढ़

चंडीगढ़ सेक्टर-35 में कनाडा से आई एक एनआरआई महिला का महंगा मोबाइल फोन गायब होने का मामला सामने आया है। करीब डेढ़ लाख रुपये कीमत का आईफोन 17 प्रो मैक्स बैंक के बाहर से लापता हो गया, लेकिन चंडीगढ़ पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए महज एक घंटे के भीतर मोबाइल को मोहाली के खरड़ से बरामद कर लिया।

जानकारी के अनुसार कनाडा निवासी पुनीत इंद्रप्रीत किसी काम के सिलसिले में सेक्टर-35 स्थित आईसीआईसीआई बैंक पहुंची थीं। बैंक से बाहर निकलने के बाद जब वह सेक्टर-42 पहुंचीं तो उन्हें मोबाइल गायब होने का पता चला। घबराई महिला ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पीसीआर टीम और थाना-36 पुलिस मौके पर पहुंची। जांच अधिकारी सब-इंस्पेक्टर नरवीर ने शिकायत दर्ज कर मोबाइल ट्रेस करना शुरू किया। ट्रेसिंग के दौरान लोकेशन बार-बार बदलती रही, जो मोहाली के खरड़ इलाके की गलियों में दिख रही थी। इसके बावजूद पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए इलाके में नाकाबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

इस दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को रोका गया, जिसकी गतिविधि मोबाइल की लोकेशन से मेल खा रही थी। पूछताछ में उसने बताया कि मोबाइल उसे सेक्टर-35 में सड़क पर पड़ा मिला था, जिसे वह उठा लाया था। जांच में चोरी की पुष्टि नहीं होने पर पुलिस ने उसे चेतावनी देकर छोड़ दिया।

महिला ने बताया कि मोबाइल में उनका जरूरी डाटा और दस्तावेज थे, जिनकी कोई दूसरी कॉपी नहीं थी। फोन वापस मिलने पर उन्होंने राहत जताई और पुलिस का धन्यवाद किया। उन्होंने किसी कानूनी कार्रवाई से भी इनकार कर दिया।

53 ड्राइवरों की नियुक्ति में देरी, संघर्ष समिति ने उठाई मांग

समर न्यूज | मोहाली

आबकारी एवं कर विभाग में चयनित 53 ड्राइवरों की नियुक्ति को लेकर ड्राइवर संघर्ष समिति पंजाब ने सरकार से जल्द कार्रवाई की मांग की है। समिति के प्रधान सुधीर कुमार के अनुसार भर्ती प्रक्रिया 2018 में शुरू हुई थी, जबकि 2020 में दस्तावेज जांच और 2021 में ड्राइविंग टेस्ट भी पूरा हो चुका है। बाद में विभाग ने पद समाप्त होने का हवाला देकर प्रक्रिया रोक दी, लेकिन 28 फरवरी 2024 को हाईकोर्ट ने उम्मीदवारों के पक्ष में फैसला दिया। इसके बाद 2025 में कैबिनेट ने पदों को मंजूरी भी दे दी। इसके बावजूद अब तक नियुक्ति नहीं हुई है, जिससे उम्मीदवारों में रोष है।

पंजाब फार्मेसी काउंसिल की जनरल बॉडी बैठक में अहम मुद्दों पर चर्चा

समर न्यूज | मोहाली

पंजाब फार्मेसी काउंसिल की जनरल बॉडी बैठक एसएएस नगर (मोहाली) स्थित काउंसिल कार्यालय में अध्यक्ष सुशील कुमार बंसल की अगुवाई में आयोजित की गई। बैठक में काउंसिल से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों के साथ-साथ राज्य के फार्मासिस्टों और फार्मेसी पेशे की भलाई को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक के दौरान फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के फार्मेसी प्रैक्टिस रेगुलेशन-2015, जन विश्वास अधिनियम-2023 समेत कई अन्य विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान निर्णय लिया गया कि फार्मेसी क्षेत्र में सुधार लाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे, ताकि फार्मासिस्टों को पंजीकरण और उससे जुड़ी सेवाओं में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। काउंसिल ने यह भी सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि पंजीकरण प्रक्रिया को अधिक सरल और पारदर्शी बनाया जाए, जिससे अधिक से अधिक फार्मासिस्ट आसानी से इसका लाभ उठा सकें। बैठक में उपाध्यक्ष तजिंदर पाल सिंह, रजिस्ट्रार डॉ. प्रीति पड्डा, राज्य सरकार विश्लेषक पंकज सरीन (फूड लेबोरेटरी, पंजाब) सहित अन्य सदस्य डॉ. ठाकुर गुरजीत सिंह, सुरिंदर कुमार शर्मा, अमृत पाल सिंह सोढ़ी, रवि शंकर नंदा, संजीव कुमार, अशोक कुमार और तेजपिंदर सिंह उपस्थित रहे।

बैठक में लिए गए फैसलों से फार्मेसी पेशे में पारदर्शिता और सुगमता बढ़ने की उम्मीद जताई गई है।

सीपीडीएल ने खुड्डा लाहोरा में कनेक्ट कैंप के जरिए उपभोक्ताओं तक अपनी पहुंच मजबूत की

समर न्यूज | चंडीगढ़

उपभोक्ताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करने तथा सेवाओं की डिलीवरी को मजबूत बनाने के प्रयासों को जारी रखते हुए चंडीगढ़ पावर डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (सीपीडीएल) ने उपभोक्ताओं की समस्याओं को हल करने तथा ऑन-ग्राउंड सर्विस डिलीवरी को मजबूत बनाने के लिए कन्ज़्यूमर कनेक्ट कैंपों की शुरूआत की है। इसी क्रम में आज खुड्डा लाहोरा में एक कैंप लगाया गया, जहां निवासियों को द्विमासिक के बजाए मासिक बिलिंग के बारे में जानकारी दी गई। गौरतलब है कि जेईआरसी (जॉइंट रेग्युलेटरी कमीशन) के निर्देशों के अनुरूप 19 जनवरी 2026 से मासिक बिलिंग प्रक्रिया की शुरूआत

की गई है। इस बदलाव के दौरान, कुछ उपभोक्ताओं को कम समय में ही दो बिल मिले। ये बिल डुप्लीकेट नहीं थे, बल्कि अलग-अलग बिलिंग अवधियों से जुड़े थे। इस बदलाव को आसान बनाने और उपभोक्ताओं में स्पष्टता बढ़ाने के लिए, 'कंज्यूमर कनेक्ट कैंप' निवासियों की समस्या को हल करते हैं, उन्हें नए बिलिंग सायकल के बारे में ज़रूरी जानकारी देते हैं तथा हर ज़रूरी सहायता प्रदान करते हैं। यह पहल पारदर्शिता के साथ उपभोक्ता को उनकी ज़रूरत के अनुसार जल्द से जल्द सेवाए प्रदान करने पर सीपीडीएल के फोकस को दर्शाती है। बिलिंग को अधिक भरोसेमंद बनाने के प्रयासों के तहत सीपीडीएल ने फोटो-आधारित मीटर रीडिंग एवं ओसीआर-इनेबल्ड सिस्टम लाकर बिलिंग प्रक्रिया को अधिक सटीक बनाया है, जिसमें मैनुअल एंट्री पर निर्भरता कम हुई है। अब बिल वास्तविक रीडिंग के हिसाब से जनरेट होते हैं, साथ ही बिलिंग से पहले और बाद में ऑडिट होता है। ये सभी प्रयास सेवाओं की दक्षता और तीव्रता बढ़ाने की दिशा में सीपीडीएल के फोकस को दर्शाते हैं। गर्मियों की तैयारी के मद्देनज़र सीपीडीएल ने सिस्टम पर सतत निगरानी एवं वितरण नेटवर्क के रखरखाव के द्वारा विद्युत की भरोसेमंद आपूर्ति के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। ऑफिशियल वेबसाईट एवं क्यूआर कोड के माध्यम से बिल भुगतान को सरल एवं सुरक्षित बनाने के लिए उपभोक्ताओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कन्ज़्यूमर कनेक्ट कैंप कई लोकेशनों पर लगाए जाएंगे।

पार्किंग विवाद में युवक पर चाकू से हमला, मामला दर्ज

समर न्यूज | पंचकूला

सेक्टर-9 में पार्किंग को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। घायल व्यापारी नीतिश मल्होत्रा को सेक्टर-6 अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पीड़ित के अनुसार, पड़ोस में रहने वाला किराएदार करनदीप सिंह देर रात घर आया और गाड़ियों के कारण अपनी थार पार्क न होने पर विवाद करने लगा। बात बढ़ने पर उसने चाकू से सिर पर हमला कर दिया। उसकी पत्नी ने भी हाथापाई की। बीच-बचाव करने आए माता-पिता के साथ भी मारपीट की गई। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया। सेक्टर-5 थाना के एएसआई अनिल कुमार के अनुसार, शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

चंडीगढ़ में पार्किंग संकट दूर करने की तैयारी, जल्द बनेंगी नई पार्किंग

समर न्यूज | चंडीगढ़

शहर में बढ़ते वाहनों के चलते पार्किंग की समस्या को कम करने के लिए नगर निगम ने नई अस्थाई पार्किंग बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इस दिशा में चीफ इंजीनियर संजीव अरोड़ा ने फील्ड अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए ऐसे स्थानों का सर्वे करने को कहा है, जहां अस्थाई रूप से पार्किंग विकसित की जा सके। अधिकारियों से इस संबंध में रिपोर्ट तत्काल मांगी गई है, जिसके आधार पर जल्द ही शहर में नई पार्किंग सुविधाएं शुरू की जाएंगी।

यह फैसला 8 अप्रैल को हुई चंडीगढ़ नगर निगम की हाउस मीटिंग के बाद लिया गया, जिसमें शहर में बढ़ती पार्किंग समस्या का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया था। इसके बाद प्रशासन ने समस्या के समाधान के लिए तेजी से कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

जारी निर्देशों के अनुसार, अधिकारियों को तीन मुख्य बिंदुओं

पर काम करना होगा। सबसे पहले, शहर में ऐसे खाली या उपलब्ध स्थानों की पहचान की जाएगी, जहां पार्किंग बनाई जा सकती है। दूसरा, उन मौजूदा पार्किंग स्थलों का आकलन किया जाएगा, जहां क्षमता बढ़ाने की संभावना है। तीसरा, ऐसी जगहों को चिन्हित किया जाएगा जहां मामूली सुधार के साथ ही तुरंत पार्किंग व्यवस्था शुरू की जा सके।

नगर निगम का मानना है कि इस पहल से शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या में भी कमी आएगी और लोगों को पार्किंग के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। जल्द ही सर्वे रिपोर्ट के आधार पर इन योजनाओं को जमीन पर उतारा जाएगा, जिससे नागरिकों को राहत मिलने की उम्मीद है।

SC से DIG भुल्लर को झटका, जमानत याचिका खारिज

समर न्यूज | चंडीगढ़

पंजाब पुलिस के निलंबित डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन जजों की बेंच ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि मामले में अभी अहम गवाहों से पूछताछ बाकी है, ऐसे में इस स्तर पर जमानत देना उचित नहीं होगा। हालांकि अदालत ने राहत देते हुए कहा कि यदि दो महीने में ट्रायल शुरू नहीं होता, तो भुल्लर दोबारा हाईकोर्ट में जमानत याचिका दायर कर सकते हैं। वहीं, सीबीआई जांच का दायरा भी बढ़ गया है। एजेंसी को मिले नए सबूतों में कई IAS-IPS अधिकारियों की भूमिका सामने आई है, जिसके बाद अज्ञात अफसरों के खिलाफ प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है। सीबीआई ने कोर्ट से मोबाइल, दस्तावेज और नकदी जब्त करने की अनुमति भी मांगी है।

दिवंगत नाथ सिंह की याद में लगाया खून दान कैंप, 40 यूनिट रक्त डोनेट हुआ

रक्तदान महादान, जरूरतमंदों की जान बचाने का सबसे बड़ा माध्यमः अमरजीत गिल

समर न्यूज | मोहाली

दिवंगत नाथ सिंह जी की स्मृति में उपिंदर सिंह के नेतृत्व में परिवार की ओर से एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी और राजीव गांधी पंचायती राज संगठन कांग्रेस के जिला मोहाली अध्यक्ष अमरजीत सिंह गिल (पहलवान गिल) ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

शिविर में पहुंचे रक्तदाताओं और स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए अमरजीत सिंह गिल ने कहा कि रक्तदान एक महान दान है, जो जरूरतमंद लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करना

चाहिए, ताकि आपात स्थिति में किसी की जान बचाई जा सके।

उन्होंने शिविर के आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि समाजसेवी संस्थाओं को इस तरह के रक्तदान शिविर नियमित रूप से आयोजित करने चाहिए, जिससे अधिक से अधिक लोगों को लाभ मिल सके। इस शिविर में सेक्टर-32, चंडीगढ़ स्थित सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों की टीम ने पहुंचकर करीब 40 रक्तदाताओं से रक्त एकत्रित किया। शिविर के दौरान मुख्य अतिथि अमरजीत सिंह गिल और डॉक्टरों की टीम को परिवार की ओर से स्मृति चिन्ह और सिरोपा देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रीतम सिंह (पूर्व वाइस चेयरमैन, मार्केट कमेटी खरड़), नरेंद्र सिंह, अमरजीत सिंह, उपिंदर पाल सिंह, गुरसेवक सिंह, जसविंदर सिंह, गुलजार सिंह सहित बड़ी संख्या में स्थानीय निवासी और समाजसेवी मौजूद रहे।

पार्क में लगे लोहे के जाल चोरी होने से लोगों में रोष

समर न्यूज | मोहाली

शहर के वार्ड नंबर-1 स्थित एक पार्क में लगाए गए लोहे के जाल (ग्रिल) चोरी होने का मामला सामने आया है, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी देखने को मिल रही है। इस संबंध में जानकारी देते हुए समाजसेवी गुरप्रीत सिंह ने बताया कि पिछले कुछ समय से पार्क में पौधों के साथ लगाए गए लोहे के जाल लगातार चोरी हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि पार्क में लगे पौधे अभी छोटे हैं और उनकी सुरक्षा के लिए लगाए गए लोहे के जाल बेहद जरूरी हैं, लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। चोरी की घटनाओं के चलते पार्क की सुंदरता और हरियाली पर भी असर पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों ने नगर निगम मोहाली और डिप्टी कमिश्नर से मांग की है कि पार्क की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाए जाएं और यहां उचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने पार्क को बेहतर

तरीके से विकसित करने की भी मांग उठाई है, जिसमें अच्छी लाइटिंग, बैठने के लिए बेंच और साफ-सफाई की उचित व्यवस्था शामिल है।

लोगों का कहना है कि पार्क में बच्चों के खेलने के लिए झूले लगाए जाएं और बुजुर्गों के बैठने के लिए शेड और बेंच की सुविधा उपलब्ध करवाई जाए। इसके साथ ही पार्क के चारों ओर सुरक्षा बढ़ाने के लिए उचित कदम उठाए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

विकास

11 लाख उपभोक्ताओं को मिलेगा सीधा लाभ

मोहाली में पीएसपीसीएल का ईस्ट डिस्ट्रीब्यूशन ज़ोन शुरू

समर न्यूज | मोहाली

पंजाब में बिजली वितरण व्यवस्था को अधिक कुशल, पारदर्शी और उपभोक्ता-केंद्रित बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार ने मोहाली में पंजाब स्टेट पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड का नया 'ईस्ट डिस्ट्रीब्यूशन ज़ोन' कार्यालय स्थापित किया है।

इस पहल को बिजली प्रशासन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। इस नए ज़ोन के शुरू होने से निर्णय लेने की प्रक्रिया तेज होगी और जमीनी स्तर पर निगरानी तथा कार्यान्वयन में भी उल्लेखनीय सुधार आएगा, जिससे उपभोक्ताओं को बेहतर और समयबद्ध सेवाएं मिल सकेंगी।

नए ईस्ट डिस्ट्रीब्यूशन ज़ोन के तहत मोहाली, एरोसिटी, जीरकपुर,

लालड़ू, खरड़, कुराली, रोपड़, श्री आनंदपुर साहिब और समराला जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल किए गए हैं। यह पंजाब का छठा वितरण ज़ोन है, जबकि अन्य ज़ोन पटियाला, बठिंडा, लुधियाना, जालंधर और अमृतसर में पहले से कार्यरत हैं। इस ज़ोन के गठन से मोहाली, जीरकपुर और रोपड़ सर्कल अब इसके अधीन कार्य करेंगे, जिससे स्थानीय स्तर पर निगरानी मजबूत होगी और फील्ड स्तर पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित हो सकेगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे लगभग 11 लाख उपभोक्ताओं को सीधा लाभ मिलेगा, जिन्हें अब अपनी बिजली से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए पटियाला जाने की आवश्यकता नहीं होगी। सभी सेवाएं अब मोहाली में ही उपलब्ध होंगी, जिससे समय, संसाधनों और प्रयासों की बचत होगी। इस बीच, ई. रतन मित्तल ने मुख्य अभियंता (ईस्ट डिस्ट्रीब्यूशन ज़ोन) के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने स्पष्ट किया कि घरेलू, औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर नए बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बिजली कटौती की स्थिति में बहाली का कार्य तेजी से किया जाएगा और उपभोक्ताओं की शिकायतों का निपटारा प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए 'जीरो टॉलरेंस' नीति लागू करने की बात कही और उपभोक्ताओं से अपील की कि किसी भी तरह की अनुचित मांग या देरी की तुरंत शिकायत करें।

सरकार द्वारा 'रोशन पंजाब मिशन' के तहत इस ज़ोन में बिजली ढांचे को मजबूत करने के लिए लगभग 893 करोड़ रुपये के विकास कार्य भी किए जा रहे हैं। इन कार्यों में 215 ओवरलोडेड 11 केवी फीडरों का डी-लोडिंग, 515 नए वितरण ट्रांसफार्मरों की स्थापना और 842 मौजूदा ट्रांसफार्मरों की क्षमता बढ़ाना शामिल है।

इसके अलावा ग्रिड, बिजली लाइनों और पावर ट्रांसफार्मरों को भी सुदृढ़ किया जा रहा है, जिससे बिजली आपूर्ति की गुणवत्ता और स्थिरता में सुधार आएगा तथा लाइन लॉस कम होगा। ई. रतन मित्तल ने विश्वास जताया कि PSPCL प्रबंधन के नेतृत्व, कर्मचारियों की प्रतिबद्धता और उपभोक्ताओं के सहयोग से मोहाली का यह ईस्ट ज़ोन बिजली वितरण के क्षेत्र में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और उपभोक्ता संतुष्टि के नए मानक स्थापित करेगा।

महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज इंस्टीट्यूट के 20 कैडेट एनडीए मेरिट सूची में शामिल

कैडेट अभिश ने चौथा और गुरकरनजीत ने 12वां ऑल इंडिया रैंक प्राप्त किया

समर न्यूज | चंडीगढ़

महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट ने अपने शानदार ट्रैक रिकॉर्ड में एक और बड़ी उपलब्धि जोड़ते हुए 20 कैडेटों को सफलता दिलाई है। इन कैडेटों ने सर्विस सिलेक्शन बोर्ड (एस एस बी) इंटरव्यू सफलतापूर्वक पास कर लिया है और जून 2026 में शुरू होने वाले प्रतिष्ठित नेशनल डिफेंस अकादमी (एन डी ए)-156 कोर्स की अंतिम मेरिट सूची में स्थान प्राप्त किया है।

मोहाली के कैडेट अभिश ने ऑल इंडिया स्तर पर चौथा स्थान हासिल किया, जबकि मलेरकोटला के कैडेट गुरकरनजीत सिंह ने 12वां स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा, संस्थान के कुल पांच कैडेटों ने राष्ट्रीय मेरिट

सूची के शीर्ष 100 में अपनी जगह बनाई है। चयनित कैडेट अब नेशनल डिफेंस अकादमी, खड़कवासला से अपने जॉइनिंग लेटर का इंतजार कर रहे हैं।

पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास और प्रशिक्षण मंत्री अमन अरोड़ा ने इस उपलब्धि को मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में रक्षा क्षेत्र में पंजाब के बढ़ते प्रभाव का प्रतीक बताया। उन्होंने कैडेटों की सराहना करते हुए कहा कि ये युवा पंजाब का गौरव हैं। उनकी मेहनत, अनुशासन और संस्थान द्वारा दी गई उत्कृष्ट प्रशिक्षण ने पूरे राज्य का नाम रोशन किया है। उन्होंने सभी कैडेटों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

यूपी की अंतिम मतदाता सूची जारी, प्रदेश में कुल 13.39 करोड़ मतदाता

उत्तर प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी, प्रदेश में कुल 13.39 करोड़ मतदाता, 84 लाख मतदाताओं की हुई वृद्धि

एजेंसी । लखनऊ

उत्तर प्रदेश में गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) की लंबी प्रक्रिया के बाद शुक्रवार को मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। सूची के अनुसार उत्तर प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 मतदाता हैं। इसमें 84 लाख 28 हजार 767 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। इनमें प्रदेश में पुरुष मतदाता 7 करोड़, 30 लाख, 71 हजार 61 और महिला मतदाता 6 करोड़, नौ लाख, 9525 है। एसआईआर में विभिन्न कारणों से 8 लाख 15 हजार 996 मतदाताओं के नाम काटे गये हैं। इनमें नोटिस देने के बावजूद सही जवाब न मिलने के कारण काटे गये 3 लाख 50 हजार 436 मतदाताओं के भी नाम शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने आज लोकभवन स्थित मीडिया सेंटर में प्रेसवार्ता में बताया कि प्रदेश में 166 दिन तक चली विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के बाद प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी गई। जारी मतदाता सूची के अनुसार उत्तर प्रदेश में 13 करोड़ 39 लाख 84 हजार 792 मतदाता हैं। इसमें 84 लाख 28 हजार 767 मतदाताओं की वृद्धि हुई है। इनमें प्रदेश में पुरुष मतदाता 7 करोड़, 30 लाख, 71 हजार 61 और महिला मतदाता 6 करोड़, नौ लाख, 9525 है। तृतीय लिंग के मतदाताओं की संख्या 4 हजार 206 है। प्रदेश में 18 से 19 आयुवर्ग के मतदाताओं की कुल संख्या 17 लाख, 63 हजार 360 है। इसमें मतदाताओं में 54.54 प्रतिशत पुरुष जबकि 45.46 प्रतिशत महिला मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के नाम छूट गए हैं वे मतदाता अभी भी फॉर्म 6 भरकर सूची में शामिल हो सकते हैं।

लखनऊ समेत पांच जिलों में मतदाताओं की सर्वाधिक वृद्धि हुई

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि आज जारी की गयी अंतिम मतदाता सूची में प्रदेश के पांच जिलों में सबसे अधिक मतदाताओं की संख्या बढ़ी है। इनमें प्रयागराज टॉप पर है। प्रयागराज में 3 लाख 29 हजार 421 मतदाता, लखनऊ में 2 लाख, 85 हजार 961 मतदाता, बरेली में 2 लाख 57 हजार 920 मतदाता, गाजियाबाद में 2 लाख 43 हजार 666 मतदाता और जौनपुर में 2 लाख 37 हजार 590 मतदाता बढ़े हैं। इसके अलावा प्रदेश के जिन पांच विधानसभा क्षेत्रों में सबसे अधिक मतदाता वृद्धि दर्ज की गयी है। उनमें साहिबाबाद में 82 हजार,जौनपुर में 56 हजार 158 ,लखनऊ पश्चिम में 54 हजार 822,फिरोजाबाद में 47 हजार 557 मतदाता बढ़े हैं।

उन्होंने बताया कि एसआईआर के तहत 6 जनवरी को 12.55 करोड़ मतदाताओं की मसौदा सूची जारी की गई थी। इसके बाद 6 मार्च तक लोगों से इस ड्राफ्ट मतदाता सूची पर सभी प्रकार के दावे व आपत्तियां आंमत्रित की गयी थी, इनमें 86.69 लाख लोगों ने मतदाता सूची में नाम शामिल किए जाने के लिए फॉर्म-6 भरा। वहीं 3.18 लाख लोगों ने नाम कटवाने के लिए फॉर्म-7 भरा था। मतदाता सूची में 1.04 करोड़ लोग ऐसे हैं जिनके नाम का मिलान माता-पिता, बाबा-दादी व नाना-नानी से न होने के कारण इन्हें नोटिस दिया गया था। वहीं 2.22 करोड़ लोग तार्किक विसंगति वाले थे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया ने बताया कि एसआईआर में भाजपा,समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, बसपा समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश व जिला स्तर पर बैठकें हुई हैं और उनमें आयी शिकायतें व ज्ञापनों की सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण किया गया, इतना ही नहीं इन दलों ने अपने अपने कार्यकर्ताओं को बूथ लेवल एजेंट के रूप में नियुक्त किया था, इन्होंने बूथ स्तर पर एसआईआर से जुड़े कार्यों को लेकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

अर्जेंटीना दौरे के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम का ऐलान

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय हॉकी ने अर्जेंटीना दौरे के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह दौरा 13 से 17 अप्रैल 2026 तक ब्यूनस आयर्स में खेला जाएगा। यह चार मैचों की सीरीज टीम के लिए काफी अहम मानी जा रही है, क्योंकि आगे FIH हॉकी वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स जैसे बड़े टूर्नामेंट होने वाले हैं। इस टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिला है। मुख्य कोच सजोर्ड मारिजने ने टीम चयन में संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया है। यह दौरा सिर्फ तैयारी नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के लिए अपनी क्षमता दिखाने का बड़ा मौका भी है। मिडफील्डर सलीमा टेटे टीम की कप्तानी करेंगी। वह अपनी तेज़ी, समझदारी और आक्रामक खेल के लिए जानी जाती हैं।उनकी अगुवाई में टीम एक मजबूत प्रदर्शन करने की उम्मीद के साथ मैदान में उतरेगी। फॉरवर्ड दीपिका की टीम में वापसी सबसे बड़ी खबरों में से एक है। चोट से उबरने के बाद वह टीम में लौटी हैं और ड्रैग-फ्लिकर के रूप में अहम भूमिका निभाएंगी।

सिनर-अल्काराज ने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत जीत से की

एजेंसी । मोनाको

जानिक सिनर और कार्लोस अल्काराज ने दुनिया के नंबर एक स्थान के लिए अपनी होड़ जारी रखी, क्योंकि उन्होंने मोंटे कार्लो मास्टर्स में दूसरे दौर में शानदार जीत के साथ अपने क्ले-कोटर् सीजन की शुरुआत की। बिना कोई सेट गंवाए'सनशाइन डबल'पूरा करने के बाद, सिनर को फ्रांसीसी खिलाड़ी ह्यूगो हम्बटर् को 6-3, 6-0 से हराने में सिफर्् 64 मिनट लगे - उन्होंने दूसरे सेट में सिर्फ छह पॉइंट गंवाए। यह इस इतालवी दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी की लगातार 18वीं मास्टर्स 1000 जीत थी, जिसने अब इस स्तर पर लगातार 36 सेट जीते हैं। अगर सिनर मोनाको में जीत हासिल करते हैं, तो सोमवार को रैंकिंग अपडेट होने पर वह अल्काराज की जगह दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। मौजूदा चैंपियन अल्काराज ने मंगलवार को बाद में, क्ले पर छह बार के एटीपी टूर चैंपियन, अर्जेंटीना के सेबेस्टियन बेज के खिलाफ 70 मिनट में 6-1, 6-3 से जीत के साथ अपने क्ले-कोर्ट सीजन की शुरुआत की। यह क्ले पर इस स्पेनिश खिलाड़ी का पहला मैच था, जब पिछले साल के रोमांचक फ्रेंच ओपन फाइनल में उन्होंने सिनर को हराया था; उस मैच में वह दो सेट पीछे चल रहे थे, लेकिन उन्होंने तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाते हुए अपना दूसरा रौलां गैरो खिताब जीता था। अल्काराज, जिनका क्ले पर 22-1 का रिकॉर्ड है और जिन्होंने 2025 में इस सतह पर तीन खिताब जीते हैं, नवंबर से नंबर एक स्थान पर काबिज़ हैं। अल्काराज ने कहा, 'मैं दुनिया का नंबर एक स्थान गंवाने वाला हूं। मुझे नहीं पता कि यह इसी टूर्नामेंट में होगा या अगले टूर्नामेंट में।' जैसे-जैसे सीजन यूरोपियन क्ले-कोटर् स्विंग की ओर बढ़ रहा है, दोनों खिलाड़ियों के बीच अंकों का अंतर घटकर 1,190 रह गया है। मई की शुरुआत में होने वाले इटैलियन ओपन तक सिनर के पास बचाव के लिए कोई रैंकिंग अंक नहीं हैं, क्योंकि पिछले साल इसी समय वह दो डोपिंग टेस्ट में फेल होने के कारण तीन महीने का निलंबन झेल रहे थे।

बांग्लादेशी खिलाड़ियों की भी सैलरी बढ़ी

एजेंसी । ढाका

बांग्लादेश क्रिकेट में लंबे समय से उठ रहे वेतन के मुद्दे पर अब बड़ा फैसला सामने आया है। तमीम इकबाल की अगुवाई वाली बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) की एड-हॉक कमेटी ने घरेलू क्रिकेटर्स की सैलरी और मैच फीस में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है।

तमीम इकबाल जिन्हें हाल ही में 11 सदस्यीय कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है, उस वक्त हैरान रह गए जब उन्हें पता चला कि एक महिला क्रिकेटर को वनडे मैच के लिए महज 1000 बांग्लादेशी टका (करीब 8 डॉलर/ 750 भारतीय रुपए) मिलते थे। इसके बाद बोर्ड ने महिला क्रिकेटर्स की मैच फीस में बड़ा बदलाव किया है।

अब उन्हें वनडे मैच के लिए 15,000 टका, फर्स्ट-क्लास मैच के लिए 20,000 टका और टी20 मुकाबलों के लिए 10,000 टका मिलेंगे। इसके अलावा टॉप-36 महिला घरेलू खिलाड़ियों की मासिक सैलरी 30,000 टका से बढ़ाकर 40,000 टका कर दी गई है। तमीम इकबाल ने माना कि यह बढ़ोतरी अभी आदर्श नहीं है, लेकिन एक जरूरी शुरुआत जरूर है।

उन्होंने कहा कि एक साथ बहुत ज्यादा बढ़ोतरी करना संभव नहीं था, लेकिन खिलाड़ियों को बेहतर भुगतान मिलना जरूरी है। सिर्फ महिला ही नहीं, पुरुष घरेलू क्रिकेटर्स को भी राहत मिली है। कैटेगरी A के खिलाड़ियों की सैलरी 65,000 टका कर दी गई है, जबकि कैटेगरी B और C के खिलाड़ियों को क्रमशः 50,000 और 40,000 टका मिलेंगे।

फर्स्ट-क्लास मैच फीस भी 70,000 टका से बढ़ाकर 100,000 टका कर दी गई है। 391 इंटरनेशनल मैच खेल चुके तमीम ने साफ कहा कि पिछले 3-4 सालों में खिलाड़ियों की सैलरी में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई थी और वे 'काफी अंडरपेड' थे। उन्होंने कहा कि क्रिकेट खिलाड़ियों की मेहनत से चलता है, इसलिए उन्हें उचित भुगतान मिलना चाहिए। सैलरी बढ़ाने के साथ ही तमीम ने BCB की खराब होती छवि को सुधारने पर भी जोर दिया। उन्होंने माना कि पिछले डेढ़ साल में बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है और इसे मिलकर ठीक करना होगा। तमीम ने कहा कि क्रिकेट हमेशा देश के लिए गर्व का विषय होना चाहिए और जो लोग बोर्ड से जुड़े हैं, उन्हें इस पर गर्व महसूस करना चाहिए। उन्होंने संकेत दिए कि आने वाले समय में BCB में और भी सुधारात्मक कदम देखने को मिल सकते हैं।

अब नहीं चलेगी मनमानी! IPL में बेंच खिलाड़ियों को लेकर BCCI सख्त

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्लीः इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के रोमांच के बीच भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड ने प्लेइंग कंडीशन्स को और सख्त करते हुए खिलाड़ियों के मूवमेंट पर नई पाबंदियां लगाई हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक अब केवल वही खिलाड़ी मैदान पर जा सकेंगे, जिनका नाम मैच के लिए चुने गए 16 खिलाड़ियों में शामिल होगा।

यानी जो खिलाड़ी इन 16 में शामिल नहीं हैं, वे अब ड्रिंक्स, बैट या कोई मैसेज लेकर मैदान पर नहीं जा सकेंगे। एक टीम में अधिकतम 25 खिलाड़ी होते हैं, जिनमें से 16 खिलाड़ियों के नाम मैच की टीम शीट में होते हैं। इतना ही नहीं, बाउंड्री लाइन के आसपास भी अब सख्ती बढ़ा दी गई है। एक समय में केवल 5 खिलाड़ी (बिब्स पहनकर) ही बाउंड्री के पास रह सकते हैं।

ये खिलाड़ी चाहे प्लेइंग ग्रुप के 16 में हों या बाकी स्क्वॉड से, लेकिन संख्या पांच से ज्यादा नहीं हो सकती। बाकी सभी खिलाड़ियों को डगआउट में बैठना होगा और उन्हें बाउंड्री लाइन से लेकर LED विज्ञापन बोर्ड तक के एरिया में घूमने की इजाजत नहीं होगी। टीम सूत्रों ने बताया कि यह निर्देश हाल ही में सभी फ्रेंचाइजी टीमों को दे दिए गए हैं और इसे तुरंत प्रभाव से लागू किया गया है। हालांकि बीसीसीआई ने इसकी आधिकारिक वजह नहीं बताई है,

लेकिन माना जा रहा है कि यह कदम मैदान पर भीड़ कम करने, मैच के दौरान अनुशासन बनाए रखने, अनावश्यक दखल या भ्रम की स्थिति से बचने के लिए उठाया गया है। क्लॉज 11.5.2: इस क्लॉज के तहत अब साफ कर दिया गया है कि मैदान पर ड्रिंक्स ले जाने की अनुमति पूरी तरह नियंत्रित होगी।

खिलाड़ी को ड्रिंक्स केवल बाउंड्री लाइन पर या विकेट गिरने के समय ही दिया जा सकता है।

मैदान के अंदर जाकर ड्रिंक्स देना तभी संभव है जब अंपायर की अनुमति हो। ड्रिंक्स लेकर जाने वाला खिलाड़ी सही क्रिकेट ड्रेस (बिब्स सहित) में होना चाहिए। यानी अब कोई भी अतिरिक्त खिलाड़ी बिना अनुमति मैदान में जाकर खिलाड़ियों से संपर्क नहीं कर सकता। क्लॉज 24.1.4: यह क्लॉज उन खिलाड़ियों से जुड़ा है जो मैच में नहीं खेल रहे होते।

ऐसे खिलाड़ियों को मैदान के आसपास रहने पर ट्रेनिंग बिब्स पहनना अनिवार्य है। ऐसे खिलाड़ी मैदान के एक्टिव एरिया में स्वतंत्र रूप से नहीं घूम सकते। उनकी भूमिका सिर्फ सीमित सपोर्ट (जैसे बॉल लौटाना) तक ही रहेगी। यानी अब ना खेलने वाले खिलाड़ियों की गतिविधियों पर पूरी निगरानी रहेगी।

यह भी पढ़ेंः जीत के बाद भी गुजरात टाइटन्स को झटका! इस फैसले का सीधा असर टीमों की रणनीति और ऑन-फील्ड कम्युनिकेशन पर पड़ सकता है।

कप्तान और कोच के बीच तुरंत संदेश पहुंचाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। डगआउट से निर्देश देने की संस्कृति सीमित होगी। खिलाड़ियों को खुद के फैसलों पर ज्यादा निर्भर रहना पड़ेगा। साथ ही मैच के दौरान अनुशासन और संरचना ज्यादा मजबूत होगी।

अनजान गेंदबाज ने रचा इतिहास : तीन ओवर में झटके 9 विकेट

एजेंसी । गैबोरोन

ब्राजील और लेसोथो के बीच खेले गए विमेंस T20 इंटरनेशनल मुकाबले में लॉरा कार्डोसो (Laura Cardoso) ने गेंद से ऐसा कहर बरपाया, जो इससे पहले कभी नहीं देखा गया था। दाएं हाथ की तेज गेंदबाज कार्डोसो ने अपने तीन ओवर के स्पेल में मात्र 4 रन देकर 9 विकेट झटके।

कार्डोसो किसी टी20 इंटरनेशनल (महिला या पुरुष) मैच में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी बन गईं। इससे पहले यह रिकॉर्ड भूटान के सोमन येशे के नाम था, जिन्होंने दिसंबर 2025 में म्यांमार के खिलाफ मेन्स टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में 8 विकेट लिए थे।

वहीं विमेंस टी20 इंटरनेशनल मैच में इससे पहले बेस्ट गेंदबाजी का रिकॉर्ड इंडोनेशिया की आर। रोहमलिया के नाम पर दर्ज थे। रोहमलिया ने 2024 में मंगोलिया के खिलाफ मैच में बिना कोई रन दिए 7 विकेट चटकाए थे। लॉरा कार्डोसो ने अपने स्पेल की शुरुआत दूसरे ओवर में की और आते ही बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया।

अपने पहले ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर उन्होंने विकेट्स लेकर हैट्रिक बनाई। फिर कार्डोसो ने अपने अगले ओवर की शुरुआती दो गेंदों पर दो विकेट झटके। यानी कार्डोसो ने लगातार पांच विकेट चटका डाले।दूसरे ओवर में कुल मिलाकर लॉरा कार्डोसो ने चार विकेट अपने नाम किए।

फिर अपने तीसरे ओवर में कार्डोसो ने 2 विकेट झटके। ब्राजील की ओर से बाकी का एक विकेट मैरिएन आर्थर ने लिया। कार्डोसो की सटीक गेंदबाजी के सामने लेसोथो की पूरी टीम महज 6.2 ओवरों में 13 रन पर ऑलआउट हो गई।

6.2 ओवर में ही पारी खत्म हो गई। गैबोरोन के बोत्सवाना क्रिकेट एसोसिएशन ओवल-2 में खेले गए इस मैच में ब्राजील ने 8 विकेट पर 202 रन बनाए। मोननिके मचाडो ने 7 चौके की मदद से 41 बॉल पर शानदार 69* रनों की पारी खेली। वहीं रोबर्टा एवरी ने 35 गेंदों पर 48 रनों का योगदान दिया।

इसके बाद लॉरा कार्डोसो का कहर देखने को मिला और ब्राजील ने 189 रनों से जीत दर्ज की। लॉरा कार्डोसो का यह प्रदर्शन टी20 क्रिकेट में गेंदबाज़ी के नए मानक तय करता है। टी20 इंटरनेशनल में एक पारी में 9 विकेट लेना अब तक असंभव माना जाता था, लेकिन उन्होंने इसे संभव कर दिखाया।

यह प्रदर्शन सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि क्रिकेट इतिहास का एक यादगार पल है। कार्डोसो ने यह साबित कर दिया कि क्रिकेट में कुछ भी नामुमकिन नहीं है। यह रिकॉर्ड लंबे समय तक चर्चा में रहेगा।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम का नया कोच

समर न्यूज़ । नई दिल्ली

भारतीय महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच के रूप में क्रिसपिन छेत्री की फिर से नियुक्ति की है। यह फैसला आगामी अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। छेत्री अब टीम की कमान संभालते हुए नए सिरे से तैयारी शुरू करेंगे।

क्रिसपिन छेत्री ने स्पेन की कोच अमेलिया वाल्वरडे की जगह ली है। वाल्वरडे का कार्यकाल इस साल की शुरुआत में समाप्त हो गया था। उनका कार्यकाल एएफसी महिला एशियन कप में भारत के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद खत्म हुआ, जहां टीम एक भी मैच नहीं जीत सकी।

भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया में खेले गए एएफसी महिला एशियन कप में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन किया। करीब दो दशकों बाद इस टूर्नामेंट में वापसी करने वाली टीम ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई और एक भी मुकाबला नहीं जीत पाई, जिसके बाद कोचिंग बदलाव का फैसला लिया गया।

इस समय भारतीय महिला टीम फीफा सीरीज 2026 के लिए केन्या की राजधानी नैरोबी में मौजूद है। नई कोचिंग टीम के साथ खिलाड़ी आगामी अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के लिए खुद को तैयार कर रही हैं।

क्रिसपिन छेत्री ने इस फ्रेंडली टूर्नामेंट के लिए 22 सदस्यीय टीम का चयन किया है। कोचिंग स्टाफ में सुजाता कर को असिस्टेंट कोच बनाया गया है, जिन्हें 2025 में AIFF महिला कोच ऑफ द ईयर चुना गया था। वहीं फैसल के बीपू गोलकीपिंग कोच की भूमिका निभाएंगे।

छेत्री पहले भी टीम के साथ काम कर चुके हैं और 2026 एशियन कप क्वालिफायर में टीम की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। उनके अनुभव को देखते हुए AIFF ने एक बार फिर उन पर भरोसा जताया है, ताकि टीम बेहतर प्रदर्शन कर सके।

लखनऊ ने आखिरी गेंद पर कोलकाता को हराया

एजेंसी । कोलकाता,

कोलकात ने लखनऊ को जीत के लिए 182 रनों का टारगेट दिया, जिसे उसने आखिरी गेंद पर हासिल कर लिया। लखनऊ की जीत के हीरो मुकुल चौधरी रहे, जिन्होंने 27 गेंदों पर नाबाद 54 रन बनाकर मैच पलट दिया। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के मैच नंबर-15 में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) का सामना लखनऊ सुपर जायंट्स से हुआ। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डन्स में हुआ। मुकाबले में लखनऊ ने कोलकाता को तीन विकेट से हराया। कोलकात ने लखनऊ को जीत के लिए 182 रनों का टारगेट दिया, जिसे उसने आखिरी गेंद पर हासिल कर लिया। लखनऊ की जीत के हीरो मुकुल चौधरी रहे, जिन्होंने 27 गेंदों पर नाबाद 54 रन बनाकर मैच पलट दिया। मुकुल ने सात छक्के और दो चौके लगाए। आखिरी ओवर में लखनऊ को जीत के लिए 14 रन बनाने थे। वैभव अरोड़ा के उस

ओवर में पहली गेंद पर आवेश ने सिंगल लिया। फिर मुकुल ने दूसरी और पांचवीं गेंद पर छक्का लगाया। जबकि आखिरी गेंद पर सिंगल लेकर उन्होंने टीम को जीत दिला दी।

कोलकाता नाइट राइडर्स को मुंबई इंडियंस (MI) और सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जबकि पंजाब किंग्स (PBKS) संग उसका मुकाबला बारिश के चलते धुल गया था। उधर लखनऊ सुपर जायंट्स को दिल्ली कैपिटल्स (DC) के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। फिर एलसएजी ने सनराइजर्स हैदराबाद को परास्त किया था। रनचेज में लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत अच्छी रही। एडेन मार्करम (22 रन) और मिचेल मार्श (15 रन) ने मिलकर पहले विकेट के लिए 41 रनों की साझेदारी की। 'इम्पैक्ट सब' वैभव अरोड़ा ने एक ही ओवर में दोनों बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। कप्तान ऋषभ पंत इस मैच में चल नहीं पाए और 10 रनों के निजी स्कोर पर कैमरन ग्रीन का शिकार बने। निकोलस पूरन से बड़ी इनिंग्स की उम्मीद थी, लेकिन वो सिर्फ 13 रन बनाकर तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी की गेद पर कैच आउट हुए।

तिलमिलाहट

प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकार को लगाई फटकार

विराट कोहली का नाम सुन तिलमिलाए बाबर

एजेंसी । कराची

पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में बुधवार को कराची के नेशनल स्टेडियम में पेशावर जाल्मी का सामना हैदराबाद किंग्समेन से हुआ। इस मुकाबले में बाबर आजम की अगुवाई में पेशावर जाल्मी ने 146 रनों का लक्ष्य छह विकेट खोकर आखिरी गेंद पर हासिल किया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक पत्रकार ने बाबर आजम से पूछा कि उनकी तुलना अक्सर विराट कोहली से की जाती है। लेकिन कोहली मैच फिनिश करने में ज्यादा सफल माने जाते हैं। यह सवाल सुनते ही बाबर बेहद नाराज हो गए। बाबर ने जवाब देते हुए कहा, 'यह यहीं खत्म करें, ऐसी बातें अपने पास रखें। तुलना बंद करें। यह आपकी गलतफहमी है कि मैंने मैच फिनिश नहीं किए।' बाबर का यह जवाब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया और

फैन्स के बीच बहस छिड़ गई। इस मुकाबले में बाबर आजम ने पेशावर जाल्मी को मजबूत शुरुआत दिलाई। बाबर ने 37 गेंदों में 43 रन बनाए, जिसमें 6 चौके शामिल रहे। बाबर ने इस दौरान कुसल मेंडिस के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 51 रनों की साझेदारी की। हालांकि 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर बाबर आजम के आउट होने के बाद मैच रोमांचक मोड़ पर पहुंच गया।

अंत में इफ्तिखार अहमद (नाबाद 15 रन) की शानदार बल्लेबाजी ने टीम को जीत दिला दी। पाकिस्तान सुपर लीग के मौजूदा सीजन में बाबर आजम ने अब तक 2 मैचों में 41.00 की औसत और 126.15 की स्ट्राइक रेट से 82 रन बनाए हैं। इस जीत के साथ पेशावर जाल्मी पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

अब पेशावर जाल्मी का अगला मुकाबला कराची किंग्स से होना है। बाबर आजम और विराट कोहली की तुलना लंबे समय से होती रही है। दोनों बल्लेबाज अपनी क्लासिक बल्लेबाजी, निरंतरता और बड़े रिकॉर्ड्स के लिए जाने जाते हैं। 2021 में बाबर ने ODI रैंकिंग में कोहली को पीछे छोड़ा। फिर 2023 सबसे तेज 5000 ODI रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। हालांकि, बाबर कई बार कोहली के प्रति सम्मान जता चुके हैं और उन्हें दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजो में से एक मानते हैं। पेशावर जाल्मी की जीत के बावजूद बाबर आजम का यह गुस्सा दिखाता है कि लगातार तुलना का दबाव खिलाड़ियों पर कितना असर डालता है। पीएसएल 2026 में यह मामला अब चर्चा का विषय बन गया है और फैन्स के बीच बहस जारी है कि क्या हर खिलाड़ी की तुलना करना सही है।

बच्चे की हत्या, बाईपास पर बवाल

आरोपी की गिरफ्तारी न होने से गुस्साए परिजन और लोग सड़क पर उतरे

समर न्यूज़ | लुधियाना

पंजाब के लुधियाना में 9 वर्षीय बच्चे की हत्या के मामले में पुलिस की कार्रवाई से नाराज़ लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। गुस्साए परिजनों और स्थानीय लोगों ने शहर के व्यस्त जालंधर बाईपास पर जाम लगाकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आरोपी अजय कुमार पिछले दो महीने से फरार है, लेकिन पुलिस उसे पकड़ने में नाकाम रही है। इसी के विरोध में लोगों ने सड़क जाम कर दी, जिससे बसों और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। कई यात्रियों को मजबूरन पैदल ही अपना सफर तय करना पड़ा।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने आरोप लगाया कि अगर पीड़ित किसी प्रभावशाली परिवार से होता, तो आरोपी की गिरफ्तारी तुरंत हो जाती, लेकिन गरीब परिवारों को न्याय मिलने में देरी होती है। इस मुद्दे को लेकर लोगों में भारी आक्रोश देखने को मिला।

सूचना मिलने पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी और सलेम टाबरी थाने की टीम मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। अधिकारियों द्वारा जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिए जाने के बाद करीब एक घंटे बाद जाम खत्म कराया गया।

पुलिस के मुताबिक आरोपी को पकड़ने के लिए विशेष टीमें पंजाब समेत उत्तर प्रदेश में उसके संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। हालांकि, आरोपी मोबाइल फोन या किसी परिचित से संपर्क नहीं कर रहा, जिससे उसकी लोकेशन ट्रैक करना मुश्किल हो रहा है।

बताया जा रहा है कि 2 फरवरी को आरोपी, जो पहले से ही एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दोषी था, पुलिस हिरासत से फरार हो गया था। इसके तीन दिन बाद उसके गांव का 9 साल का बच्चा लापता हो गया। आरोप है कि आरोपी ने बच्चे का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी और शव को झाड़ियों में फेंक दिया।

7 फरवरी को परिजनों के विरोध के बाद बच्चे का शव बरामद किया गया, जिसमें गला काटकर हत्या किए जाने के संकेत मिले। पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी में मदद करने वाले को 20,000 का इनाम देने की घोषणा भी की है। इस घटना के बाद से इलाके में तनाव बना हुआ है और लोग जल्द से जल्द आरोपी की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

आर्मी डिपो के नो कंस्ट्रक्शन ज़ोन में हुआ अवैध निर्माण, सेना की शिकायत पर केस

चेतावनी के बावजूद जारी था निर्माण, 3 के खिलाफ मामला दर्ज किया

समर न्यूज़ | लुधियाना

लुधियाना में स्थित बद्दोवाल के 17 फील्ड एम्युनिशन डिपो के आसपास सुरक्षा से जुड़ी गंभीर लापरवाही सामने आई है। डिपो के प्रतिबंधित क्षेत्र में अवैध निर्माण किए जाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

यह मामला तब सामने आया जब सेना के अधिकारियों ने पुलिस को शिकायत दी कि डिपो के अधिसूचित और सुरक्षा दायरे के भीतर नियमों का उल्लंघन करते हुए मकान बनाए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, यह अवैध निर्माण गांव इयाली कलां के पास किया जा रहा था। सेना अधिकारियों का कहना है कि इस क्षेत्र को पहले ही 'नो कंस्ट्रक्शन ज़ोन' घोषित किया जा चुका है। इसके बावजूद कुछ लोग लगातार निर्माण कार्य में जुटे हुए हैं, जो सुरक्षा के लिहाज से बेहद खतरनाक है। गोला-बारूद डिपो के आसपास इस तरह की गतिविधियां किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं। थाना सराभा नगर पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 223 के तहत कार्रवाई की गई है, जो सरकारी आदेश की अवहेलना से संबंधित है।

पुलिस का कहना है कि अवैध निर्माण में शामिल लोगों की पहचान की जा रही है और जल्द ही उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, सेना और प्रशासन मिलकर मौके पर जाकर निर्माण कार्य को रुकवाने की तैयारी कर रहे हैं। इस घटना ने एक बार फिर संवेदनशील सैन्य क्षेत्रों की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गिल चौक स्कूटर मार्केट में चोरों का राज

लुधियाना। गिल चौक स्कूटर मार्केट में गुरुवार रात चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए दो एक्टिवा चोरी कर लीं। यह पिछले एक हफ्ते में दूसरी घटना है। मार्केट प्रधान दीपक अरोड़ा के मुताबिक तीन चोर एक बाइक पर आए और दुकान का शटर उठाकर एक्टिवा लेकर फरार हो गए। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है, जिसमें आरोपियों की गतिविधियां साफ नजर आ रही हैं। व्यापारियों ने पुलिस गश्त पर सवाल उठाते हुए चेतावनी दी है कि सुरक्षा नहीं बढ़ी तो वे प्रदर्शन करेंगे। सूचना मिलते ही थाना डिवीजन नंबर-6 के एसएचओ अमरजीत सिंह मौके पर पहुंचे और कहा कि सीसीटीवी खंगालकर जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

देखो, दुकानदार हेल्मेट पहना कर रहे हैं सड़क की सुरक्षा

शर्म है कि नगर निगम को आती नहीं?

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

शहर में विकास और रखरखाव के बड़े-बड़े दावे करने वाला नगर निगम एक बार फिर सवालों के घेरे में है। मामला पुरानी सब्ज़ी मंडी के पास आर्य स्कूल के नज़दीक का है, जहां करीब 15 से 20 दिन पहले सड़क धंस गई थी। हैरानी की बात यह है कि यह रास्ता कोई सामान्य गली नहीं, बल्कि ऐसा मार्ग है जहां से रोज़ाना निगम अधिकारियों, पार्षदों और विधायकों का आना-जाना लगा रहता है। इसके बावजूद इतने दिनों तक इस समस्या की ओर किसी ने ध्यान नहीं दिया। स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, सड़क धंसने के कारण वहां हर समय हादसे का खतरा बना रहता था। कई बार दोपहिया वाहन चालक संतुलन खोते-खोते बचे, जबकि रात के समय यह जगह और भी खतरनाक हो जाती थी। दुकानदारों ने कई बार नगर निगम में शिकायत की, लेकिन हर बार उन्हें आश्वासन ही मिला, समाधान नहीं।

जब प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो आखिरकार दुकानदारों ने खुद ही सुरक्षा का जिम्मा उठाया। उन्होंने सड़क के धंसे हुए हिस्से में लकड़ी डालकर ऊपर हेलमेट रख दिया, ताकि दूर से आने वाले लोगों को खतरे का अंदेशा हो सके और कोई बड़ा हादसा न हो। यह अनोखा तरीका लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। मामले ने तब तूल पकड़ा जब किसी ने इस पूरी स्थिति का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। वीडियो तेजी से वायरल हुआ और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे। लोगों ने टिप्पणी करते हुए कहा कि जब तक मुद्दा सोशल मीडिया पर नहीं आता, तब तक जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई नहीं करते। वीडियो के वायरल होते ही निगम हरकत में आया। सुबह-शाम मौके पर कर्मचारी भेजे गए और सड़क की मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया। हालांकि स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते समस्या का समाधान कर दिया जाता, तो दुकानदारों को इस तरह का कदम उठाने की जरूरत ही नहीं पड़ती।

ठग गिरफ्तार, 12 थानों को थी तलाश

पत्नी संग चलाता था ठगी का नेटवर्क, कई मामलों में था भगोड़ा

समर न्यूज़ | लुधियाना

पंजाब के लुधियाना में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। साहनेवाल थाना पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे शातिर ठग जय इंद्रपाल सिंह को उसकी पत्नी मनमीत कौर के साथ गिरफ्तार कर लिया है। यह दंपति प्रॉपर्टी और एनआरआई ठगी के कई मामलों में शामिल था और 12 थानों की पुलिस को इसकी तलाश थी।

पुलिस के अनुसार, आरोपी जय इंदरपाल सिंह फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीनों की खरीद-फरोख्त के नाम पर लोगों को ठगता था। इसके अलावा वह एनआरआई लोगों को भी अपने जाल में फंसाकर लाखों रुपये की ठगी करता था। उसकी पत्नी मनमीत कौर भी इस पूरे नेटवर्क में सक्रिय भूमिका निभाती थी।

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ साल 2022, 2023 और 2024 में दर्ज कम से कम पांच मामलों में अदालत द्वारा उसे भगोड़ा घोषित किया जा चुका था। लंबे समय से फरार चल रहे इस दंपति को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी।

साहनेवाल थाना प्रभारी वरिंदरपाल उप्पल ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी अपनी पत्नी के साथ इलाके में मौजूद है। इसके बाद तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया गया और घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पूछताछ के दौरान ठगी से जुड़े और मामलों का खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है।

फिलहाल पुलिस इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और ठगी के पैसों के बारे में भी जांच कर रही है।

जेंडर सेंसिटाइजेशन के लिए ट्रेनिंग शुरू

महिला सुरक्षा पर लुधियाना पुलिस का फोकस

समर न्यूज़ | लुधियाना

महिला सुरक्षा और सम्मान को लेकर पुलिस ने नई पहल शुरू की है। कमिश्नरेट पुलिस ने अपने कर्मियों के व्यवहार में सकारात्मक बदलाव लाने और उन्हें सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। पुलिस लाइंस में आयोजित इस कार्यक्रम में 'हरनेक फाउंडेशन' के सहयोग से जेंडर सेंसिटाइजेशन (लिंग संवेदनशीलता) पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को यह सिखाया गया कि वे महिलाओं और जेंडर से जुड़े मामलों को अधिक संवेदनशीलता और पेशेवर तरीके से कैसे संभालें।

सत्र में शामिल अधिकारियों ने बताया कि समाज में महिला-पुरुष समानता केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे पुलिस की कार्यशैली में भी लागू किया जाना जरूरी है। पुलिस कर्मियों को निर्देश दिए गए कि थानों या फील्ड में आने वाली महिलाओं के साथ सम्मानजनक और शालीन व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। एडीसीपी ट्रैफिक और एसीपी हेडक्वार्टर ने भी इस दौरान जवानों से कहा कि पुलिस की जिम्मेदारी सिर्फ कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि हर नागरिक को सुरक्षित माहौल देना भी है। खासकर जेंडर से जुड़े मामलों में पुलिस की भूमिका बेहद अहम होती है। हरनेक फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने भी आधुनिक समाज में लिंग आधारित भेदभाव को खत्म करने और पुलिस कर्मियों में संवेदनशीलता बढ़ाने के लिए विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पुलिस के नजरिए में बदलाव लाना है, ताकि वे शिकायतकर्ताओं के साथ संवाद करते समय अधिक सहानुभूतिपूर्ण और जिम्मेदार रवैया अपनाएं।

भई रुको जरा! एक करोड़ का ये रिंग है, यहां स्केटिंग मना है

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

सराभा नगर के पॉश इलाके में स्मार्ट सिटी फंड से करीब एक करोड़ रुपये की लागत से बना स्केटिंग रिंक एक बार फिर टूट गया है। निगम अधिकारियों की कथित लापरवाही के चलते खराब हुई इस रिंक पर स्केटिंग करने वाले बच्चे चोटिल हो रहे हैं, जिससे अभिभावकों में भारी रोष है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रिंक का निर्माण करते समय गुणवत्ता का बिल्कुल ध्यान नहीं रखा गया। यही कारण है कि पहले भी शिकायतों के बाद इसे दोबारा बनाया गया था, लेकिन अब फिर से इसकी हालत खराब हो गई है।

मामले को गंभीर बताते हुए समाजसेवी अरविंदर शर्मा ने पंजाब स्टेट ह्यूमन राइट्स कमीशन की चेयरपर्सन को शिकायत भेजी है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि यह बच्चों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है और उनके मानवाधिकारों का उल्लंघन भी।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि जिस स्थान पर स्केटिंग रिंक बना है, उसके पास ही नगर निगम का जोन-डी ऑफिस मौजूद है। वहीं निगम कमिश्नर, मेयर और जोनल कमिश्नर भी इसी क्षेत्र में बैठते हैं, बावजूद इसके इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। अरविंदर शर्मा ने कहा कि यह जनता के टैक्स का पैसा है और रिंक की खराब हालत खुद सच्चाई बयां कर रही है।

वहीं नगर निगम के एसई शाम लाल गुप्ता ने बताया कि मामले की जांच के लिए फाइल दोबारा खुलवाई जा रही है। यह देखा जाएगा कि निर्माण किस ठेकेदार ने किया था और किन शर्तों पर काम हुआ था। जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवक ने फंदा लगाकर दी जान

लुधियाना। एक युवक ने घर में पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके से दो पेज का सुसाइड नोट बरामद हुआ, जिसमें उसने कुछ लोगों को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है। मृतक की पहचान हर्षदीप सिंह के रूप में हुई है। सुसाइड नोट में उसने सुरिंदर पाल ढिल्लों पर झूठा साइबर क्राइम केस दर्ज कर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने सुरिंदर पाल और उसके साले विक्रमजीत के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

जिम कोच ने की हेराफेरी, पैसे मांगने पर मिली धमकी

लुधियाना। टिब्बा रोड इलाके में एक जिम मालिक के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। जिम के मालिक गुरजीत सिंह की शिकायत पर पुलिस ने जिम के कोच और उसके साथियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जिम में कार्यरत कोच आशू पर आरोप है कि उसने पिछले 6 से 7 महीनों के दौरान करीब 20 लाख रुपये का गबन किया। गुरजीत सिंह ने बताया कि उन्होंने आशू पर पूरा भरोसा किया हुआ था और वह न सिर्फ ट्रेनिंग देता था, बल्कि जिम के पैसों का हिसाब-किताब भी संभालता था। मालिक के अनुसार, जब उन्होंने हाल के महीनों के अकाउंट्स की जांच की तो पैसों में गड़बड़ी सामने आई। जांच में पता चला कि आरोपी ने फंड में हेराफेरी कर बड़ी रकम अपने पास रख ली। जब उन्होंने आरोपी से पैसे वापस मांगे और पूछताछ की, तो उसने अपने साथियों पूनम और मनदीप सिंह के साथ मिलकर उन्हें धमकाना शुरू कर दिया।

लुधियाना में 58 लाख से बनेगी नई रोडः मदन लाल

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज़

शहर के गांधी नगर इलाके में लंबे समय से खराब पड़ी सड़क को अब नई पहचान मिलने जा रही है। विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा ने वार्ड नंबर 88 में सड़क निर्माण कार्यों का उद्घाटन किया। इस प्रोजेक्ट पर करीब 58 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। बग्गा ने बताया कि क्षेत्र के लोगों को बुनियादी सुविधाएं देना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय निवासियों से किए गए वादों के अनुसार इलाके में बेहतर सड़कें, स्कूल, स्वास्थ्य सेवाएं और साफ सुथरा वातावरण सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि गांधी नगर की सड़क की हालत काफी समय से खराब थी, जिससे राहगीरों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। नई सड़क बनने के बाद यातायात सुचारू होगा और लोगों को राहत मिलेगी। विधायक बग्गा ने कहा कि गत सरकार ने इस इलाके की अनदेखी की थी।

डीसी से गुहार

शिवसेना हिंदुस्तान ने अपनी मांगों को लेकर डीसी को सौंपा ज्ञापन

कानून व्यवस्था पर घेराव, 35 हजार पीड़ितों के लिए मुआवजा मांगा

दलजीत विक्की | लुधियाना
समर न्यूज़

पंजाब में लगातार बिगड़ रही कानून व्यवस्था सहित 35,000 आतंकवाद पीड़ित हिंदुओं के लिए 781 करोड़ रुपये का मुआवजा दिलवाने सहित अन्य मांगों को लेकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन गुप्ता के आदेशानुसार पूरे पंजाब में जिलाधीशों के माध्यम से मुख्यमंत्री पंजाब के नाम ज्ञापन दिए जा रहे हैं।

इसी श्रृंखला के तहत आज लुधियाना में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं प्रभारी पंजाब-राजस्थान कृष्ण शर्मा और कार्यकारी पंजाब अध्यक्ष संजीव देम की अध्यक्षता में 21 सदस्यीय शिष्टमंडल ने डीसी लुधियाना को ज्ञापन सौंपा। इस शिष्टमंडल में मनी शेरा (उपाध्यक्ष, पंजाब), नरेंद्र भारद्वाज (राष्ट्रीय अध्यक्ष, मजदूर सेना), राजकुमार पप्पी महाजन (जिला अध्यक्ष, ट्रांसपोर्ट सेना), सोनू हीर (उप-चेयरमैन, पंजाब युवा सेना) सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल रहे।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए कृष्ण शर्मा, संजीव देम और मनी शेरा ने संयुक्त रूप से कहा कि पंजाब में लगातार कानून व्यवस्था बिगड़ती जा रही है। अपराधियों में पुलिस का डर खत्म होता जा रहा है, वहीं गैंगस्टरवाद और आतंकवादी विचारधारा के लोग अपनी संकीर्ण मानसिकता को बढ़ावा देकर समाज में डर और दहशत का माहौल बना रहे हैं, जिससे हिंदू समाज और व्यापारी वर्ग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

नरेंद्र भारद्वाज, देवेंद्र भागरीय और सोनू हीर ने संयुक्त रूप से कहा कि पार्टी लंबे समय से दिल्ली के 1984 दंगों की तर्ज पर पंजाब में आतंकवाद के दौरान शहीद हुए 35,000 पीड़ित हिंदुओं को 781 करोड़ रुपये का मुआवजा दिलवाने के लिए संघर्ष कर रही है। यह प्रस्ताव शिवसेना हिंदुस्तान के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन गुप्ता द्वारा वर्ष 2006 में धर्म युद्ध मोर्चा लगाकर तत्कालीन कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार से कैबिनेट में पास करवाया गया था, लेकिन आज तक किसी भी सरकार द्वारा इसे लागू नहीं किया गया।

पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कृष्ण शर्मा ने पंजाब सरकार से आग्रह किया कि हिंदू समाज की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार पर दबाव बनाकर जल्द से जल्द 781 करोड़ रुपये का मुआवजा जारी करवाया जाए, ताकि आतंकवाद पीड़ितों का विश्वास बहाल हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब के बिगड़ते हालात को सुधारने के लिए पार्टी सरकार को पूर्ण सहयोग देने के लिए तैयार है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार इस मुद्दे पर सख्त कार्रवाई करते हुए पंजाब पुलिस के उच्च अधिकारियों में आवश्यक फेरबदल करेगी, जिससे कानून व्यवस्था मजबूत हो सके और आम जनता का विश्वास बहाल हो।

इस अवसर पर काशी सिंह (जिला अध्यक्ष, व्यापार सेना), अजय धीर, योगेश धीर, मंगल बेदी, पवन बेदी, विजय कुमार, साहिल कुमार, सोनू, अमन, काका, सुदामा, विशाल, राजन, तेजिंदर बजाज लाटी, सरबजीत सिंह अर्शी, सरबजीत सिंह कालू, मनप्रीत सिंह, जितेंद्र कुमार, अमित कुमार, मन्नू टाइगर, सिमरनजीत सिंह, अंकित कुमार, नीतीश कुमार, सुनील कुमार, कर्ण तायल, प्रेम कुमार, आशु कुमार, गोलू कुमार नेता उपस्थित रहे।

UNITED PRESS CLUB (REGD.)
Strength Of Democracy
UNITED PRESS CLUB
AVON CYCLES
TITLE SPONSOR
JOURNALIST PREMIER LEAGUE
JOURNALIST
PREMIER LEAGUE
10 APRIL - 03 MAY
JOURNALIST WELFARE TRUST
JOURNALIST WELFARE TRUST
POWERED BY
DUKE
CO-POWERED BY
easyvisa
ASSOCIATES PARTNERS
amy soul
DASMESH Malerkotla, Punjab, India
AnsalWealth Real Estate | Home Loans | Insurance
Worldwide Awarded Sexologist Clinic BY DR BEERINDER SINGH YOGI (DIRECTOR) Dr.YOGI's Health Care +91 9212 222 222
CGC UNIVERSITY MOHALI Shaping Tomorrow, Today
IOL
KG EXPORTS
CREDAI PUNJAB www.credaipunjab.com
Vaidban Since 1992

ग्रुप एडिटरः अर्शदीप सिंह, एग्जीक्यूटिव एडिटर : चंदन स्वप्निल*, मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। आरएनआई पंजीकरण संख्याः CHMUL/25/A1155
*इस अंक में प्रकाशित सभी समाचार पीआरबी के चयन एवं संपादन हेतु हैं। अधिनियम के अंतर्गत सभी उत्तरदायित्व और उससे उत्पन्न सभी विवाद लुधियाना न्यायालय के अधीन होंगे। वर्ष 1 अंक 215